दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। बुधवार 07 जनवरी -2026 | ● वर्ष : 11 अंक : 19 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

बांग्लादेश में एक और हिंदू का कत्लेआम

महज 18 दिनों के भीतर बांग्लादेश में 6 हिंदुओं का मर्डर

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहा अत्याचार थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले 24 घंटे में 2 हिंदुओं की नृशंस हत्या कर दी गई। वहीं, महज 18 दिनों के भीतर बांग्लादेश में 6 हिंदुओं का मर्डर हो चुका है। 18 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 के बीच बांग्लादेश में 6 हिंदुओं को बेरहमी से मौत के घाट उतारा गया। हिंदू समुदायों पर हो रहे अत्याचार के रूह कंपाने वाले वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आ रहे हैं, लेकिन यूनुस सरकार के कान में जूं तक नहीं रेंग रही है।

18 दिसंबर 2025 - दीपू चंद्र दास : ढाका में भीड़ ने मिलकर दीपू चंद्र दास को बेरहमी से मौत के घाट उतारा। मौत के बाद भी दीपू के शव को पेड़ से लटकाया गया और पेड़ को आग के हवाले कर दिया गया। इस घटना के वीडियो ने सभी के रोंगटे खड़े कर दिए थे।

24 दिसंबर 2025 - अमृत मंडल : बांग्लादेश के राजबाड़ी जिले के होसेनडांगा गांव में भीड़ ने 29 वर्षीय अमृत मंडल उर्फ सम्राट की हत्या कर दी। भीड़ ने मंडल पर जबरन वसूली का आरोप लगाते हुए 24 दिसंबर की रात लगभग 11 बजे हमला बोल दिया। पुलिस के पहुंचने से पहले भीड़ ने पीट पीटकर मंडल की हत्या कर दी।

29 दिसंबर 2025 - बजेंद्र बिसवास : बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में स्थित एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करने वाले हिंदू कर्मचारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 42 वर्षीय बजेंद्र बिसवास के रूप में हुई है, जो कपड़ा फैक्ट्री में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। पुलिस ने आरोपी नोमन मियां को गिरफ्तार कर लिया है।

31 दिसंबर 2025 - खोंखन दास : 31 दिसंबर की रात जब पूरी दुनिया नए साल का जश्न मना रही थी, तो बांग्लादेश में एक हिंदू व्यापारी जिंदगी की लड़ाई लड़ रहा था। दुकान बंद करके घर वापस जा रहे हिंदू व्यापारी खोकन दास पर 3-4 लोगों ने अचानक हमला किया और उनपर पेट्रोल छिड़कर आग लगा दी। खोकन ने तालाब में डूबकर आग बुझाई। आनन-फानन में उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया और 3 जनवरी को उन्होंने दम तोड़ दिया।

5 जनवरी 2026 - राणा प्रताप बैरागी : बांग्लादेश के जेस्सोर में बर्फ फैक्ट्री के मालिक राणा प्रताप बैरागी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जेस्सोर के कपिला बाजार में राणा की बर्फ की फैक्ट्री थी।

एसआईआर अभियान में 8 लाख वोट घटने पर बोले अतुल गर्ग

भाजपा को नुकसान नहीं, हुआ है फायदा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एसआईआर अभियान के बाद पहला अपडेट जारी हुआ। पहले से ही ये कहा जा रहा है कि देश की सबसे बड़ी विधानसभा में वोट घट गये हैं। वोटर लिस्ट से कई नाम गायब हो गये हैं। हालांकि इसके पीछे का कारण एएसडी बताया गया। एएसडी का अर्थ है अनुपस्थित, शिफ्टिंग और डेथ। डाटा को अगर देखें तो इसमें वोटों का घाटा दिखता है। लेकिन सही स्थिति बाद में पता चलेगी। हालांकि राजनीतिक दलों को ये उम्मीद है कि वो इस घाटे की भरपाई फार्म-6 के साथ करेगें। अधिक से अधिक नए वोट बनेंगे और इससे रिपोर्ट भी ठीक हो जायेगी।

मंगलवार को गाजियाबाद की जब पहली अपडेट लिस्ट जारी हुई तो ये माना जा रहा है कि लगभग 8 लाख वोट गाजियाबाद लोकसभा से वोटर लिस्ट में नहीं दिखेंगी। लगभग 8 लाख वोट ऐसी हैं जो वोटर लिस्ट से कट गई हैं। पहली सूची जारी होने के बाद ये माना जा रहा है कि ये जो भी वोट कटी हैं वो भाजपा की वोट हैं और भाजपा को इसका घाटा हो सकता है। चूंकि मामला पूरी लोकसभा का है और अनुमान लगाया जा रहा है कि ये भाजपा का वोट है जो वोटर लिस्ट से आउट हो गया है।

इस पूरे सीन को लेकर और खासतौर से गाजियाबाद लोकसभा की वोटर लिस्ट के इस डाटा को लेकर दैनिक करंट क्राइम ने गाजियाबाद के लोकसभा सांसद अतुल गर्ग से बात की। अतुल गर्ग राजनीति के पुराने खिलाड़ी हैं। वो दो बार विधायक रहे हैं वो सरकार में मंत्री रहे हैं और उनके बारे में ये कहा जाता है कि चुनावी डाटा का सबसे बेस्ट मैनेजमेंट उन्हीं के पास है। दैनिक करंट क्राइम ने लोकसभा सांसद अतुल गर्ग से बात की और जब उनको ये बताया कि लगभग 8 लाख वोट कटी हैं। ये पहली सूची का डाटा है और इससे भाजपा को अनुमानित घाटा माना जा रहा है। इस सवाल के जवाब में लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि डाटा से कोई घाटा नहीं हो रहा। उन्होंने कहा कि सबसे पहली बात तो ये है कि जो भी वोट वोटर लिस्ट से कटी हैं वो भाजपा की वोट नहीं कटी हैं बल्कि वो भाजपा के क्षेत्र में कटी हैं ये सब वोट वो हैं जो वोटर लिस्ट पर तो अबसे पहले दिखाई दे रही थी लेकिन ये कभी वोट डालने नहीं आती। उन्होंने कहा कि इस अभियान के बाद से मतदान प्रतिशत बढ़ेगा और इसका असर नजर आयेगा। उन्होंने कहा अबसे पहले मतदान प्रतिशत 50 से 55 प्रतिशत के बीच आता था। लेकिन अब जब ये वोट लिस्ट में नहीं होंगी तो मतदान का प्रतिशत 80 के आस पास आयेगा। उन्होंने दावा किया कि ये वोट कटने के बाद वोटर लिस्ट और अपडेट हो गई है।

अब एक तरीके से ये माना जा सकता है कि वोटर लिस्ट से ऐसे नाम हटाये गये हैं जो केवल वोटर लिस्ट में थे और यहां नहीं रह रहे थे। उन्होंने कहा कि अभी फार्म 6 बाकी है। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने दावा किया कि एसआईआर अभियान जब फार्म 6 का अभियान चलेगा तो गाजियाबाद लोकसभा में लगभग 2.50 लाख वोट बढ़ेंगे। ये फार्म 6 से वो मतदाता आयेंगे जो वास्तव में क्षेत्र में रह रहे हैं और ये वास्तविक वोटर हैं। इस तरह से 2.50 लाख वोटों का इजाफा होगा। उन्होंने घाटे की किसी भी संभावना को सिरे से नकराते हुए कहा कि मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण से भाजपा को चुनाव में लाभ होगा। उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान से भाजपा को कोई नुकसान नहीं होने जा रहा है। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि एसआईआर अभियान में अगर बीएलओ घर घर गये हैं और उन्होंने अपनी रिपोर्ट के बाद ये वोट काटे हैं तो यह एक सिस्टम है। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि जो मतदाता दिये गये पते पर नहीं रहता है या जिसने फार्म भरकर नहीं लौटाये तो उन्हें देने चाहिए थे।

उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान लोकतंत्र महोत्सव का पहला चरण है। मैं लोकतंत्र का सम्मान करता हूं। सिस्टम की पारदर्शिता का सम्मान करता हूं और सभी को चुनाव की पवित्रता का सम्मान करना चाहिए।

तलवार वितरण मामला: हिंदू रक्षा दल प्रमुख पिंकी चौधरी और बेटा गिरफ्तार

- गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई की तैयारी

गाजियाबाद, करंट क्राइम : साहिबाबाद के शालीमार गार्डन क्षेत्र में खुलेआम तलवारें बांटने और इलाके में दहशत फैलाने के मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हिंदू रक्षा दल (एचआरडी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी उर्फ भूपेंद्र और उसके बेटे हर्ष को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पहले ही संगठन से जुड़े 10 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने पिंकी चौधरी के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेज दी है। घटना 29 दिसंबर की है, जब शालीमार गार्डन स्थित हिंदू रक्षा दल के कार्यालय पर कथित रूप से खुलेआम तलवारें और फरसे बांटे गए थे। इस दौरान कई कार्यकर्ता हथियार लेकर गलियों में घूमते नजर आए, जिससे स्थानीय लोगों में भय का माहौल बन गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पिंकी चौधरी ने तलवार वितरण की जिम्मेदारी लेते हुए इसे संगठनात्मक कार्यक्रम बताया था। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की और आठ तलवारें बरामद कीं। इस दौरान कपिल, श्याम यादव, अरुण जैन, रामपाल, अमित सिंह, अमित कुमार, देवेंद्र बघेल, उजाला सिंह, अमित अरोड़ा और मोहित कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट, सीएलए सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया।

यति नरसिंहानंद सीपी से मिले, पिंकी चौधरी के परिवार के साथ पुलिस द्वारा दुर्व्यवहार का आरोप

करंट क्राइम : इधर, पिंकी चौधरी की गिरफ्तारी के बाद मामले ने राजनीतिक और धार्मिक रंग भी ले लिया। मंगलवार को पंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचे और पिंकी चौधरी के परिवार के साथ पुलिस द्वारा कथित दुर्व्यवहार का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि किसी भी सजा का सामना पिंकी को करना चाहिए, लेकिन उसके परिवार को परेशान न किया जाए।वहीं पुलिस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि किसी को हिरासत में नहीं लिया गया था। परिजनों को केवल पूछताछ के लिए बुलाया गया था, जिससे अहम सुराग मिले और आरोपियों की गिरफ्तारी संभव हो सकी।

वीडियो वायरल होने पर बढ़ा था कार्रवाई का दबाव

करंट क्राइम : घटना के बाद पिंकी चौधरी और उसका बेटा हर्ष समेत करीब 15 लोग फरार हो गए थे। फरारी के दौरान पिंकी के दो वीडियो सामने आए, जिनमें वह शासन-प्रशासन को मुंहतोड़ जवाब देने की धमकी देता नजते नजए बाए। ये वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए, जिसके बाद पुलिस ने दबिश तेज कर दी। लगातार छापेमारी के बाद पुलिस ने पिंकी और उसके बेटे को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष पाटील ने गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए बताया कि तलवार वितरण मामले में पिंकी चौधरी के खिलाफ सात सीएलए समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके साथ ही उसके आपराधिक इतिहास को देखते हुए गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेजी गई है। अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, पिंकी चौधरी पहले भी विवादों में रह चुका है। उस पर झुग्गियों में रहने वाले लोगों को रोहिंग्या बताकर आगजनी करने का आरोप लगा था, जिसमें उसकी गिरफ्तारी हुई थी। उस समय भी गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई के लिए रिपोर्ट भेजी गई थी, लेकिन प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी थी।

आयुष्मान कार्ड अब घर बैठे बनवाएं

70 वर्ष से ऊपर के वरिष्ठ नागरिक भी शामिल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र लाभार्थियों के लिए आयुष्मान कार्ड बनवाने की सुविधा और आसान कर दी गई है। योजना के अंतर्गत पहले से वंचित लाभार्थी परिवारों के सदस्य तथा 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक अब स्वयं या किसी सहायक/स्वयंसेवी संस्था की मदद से अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी, गाजियाबाद द्वारा जारी सूचना के अनुसार आयुष्मान कार्ड BIS पोर्टल और Ayushman App के माध्यम से तैयार किया जा सकता है। इसके लिए लाभार्थी अपने मोबाइल नंबर पर प्राप्त डळढ से लॉगिन कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

कार्ड कहां और कैसे बनाएं

- वेबसाइट : beneficiary.nha.gov.in
- मोबाइल ऐप : Ayushman App (प्ले स्टोर से डाउनलोड)

आवेदन के दौरान आवश्यक विवरण भरकर कार्ड बनाया जा सकता है। किसी भी परेशानी की स्थिति में नजदीकी स्वास्थ्य कर्मी/स्वयंसेवी संस्था से सहायता ली जा सकती है।

एसआईआर की पहली ड्राफ्ट सूची ने गाजियाबाद की चुनावी जमीन हिला दी

8.18 लाख नाम बाहर • साहिबाबाद, लोनी और गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्रों में कटौती का प्रतिशत चौंकाने वाला

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत जारी पहली ड्राफ्ट मतदाता सूची ने गाजियाबाद जिले की चुनावी तस्वीर को गहराई से बदल दिया है। घर-घर सत्यापन, बीएलओ की रिपोर्ट, डिजिटल मिलान और रिकॉर्ड जांच के बाद जिले में कुल 8,18,139 मतदाता नाम 'अनकलेक्टेबल' श्रेणी में दर्ज किए गए हैं। यह आंकड़ा जिले के कुल 28,37,991 मतदाताओं का 28.83 प्रतिशत है, यानी लगभग हर चौथा मतदाता पहली ड्राफ्ट सूची में बाहर हो चुका है।

ड्राफ्ट सूची के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि शहरीकरण, औद्योगिक क्षेत्र, लगातार स्थानांतरण और आबादी के तेज बदलाव वाले क्षेत्रों में मतदाता सूची पर सबसे अधिक असर पड़ा है। खास तौर पर साहिबाबाद, लोनी और गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्रों में कटौती का प्रतिशत चौंकाने वाला है। एसआईआर की इस पहली सूची ने न सिर्फ प्रशासनिक स्तर पर, बल्कि राजनीतिक समीकरणों में भी हलचल पैदा कर दी है।

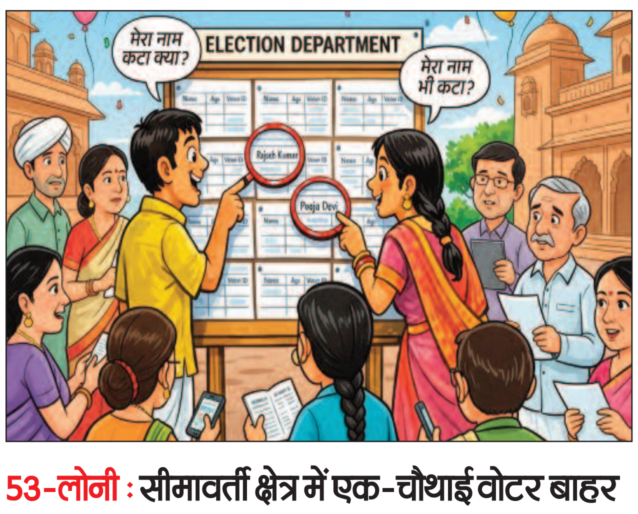

53-लोनी : सीमावर्ती क्षेत्र में एक-चौथाई वोटर बाहर

करंट क्राइम। लोनी विधानसभा में एसआईआर अभियान के बाद 1,39,489 मतदाता नाम अनकलेक्टेबल घोषित किए गए हैं। यह संख्या विधानसभा के कुल मतदाताओं का 26.18 प्रतिशत है। सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण यहां बड़ी संख्या में मतदाता या तो ट्रेस नहीं हो सके या स्थायी रूप से अन्य स्थानों पर स्थानांतरित पाए गए। पहली ड्राफ्ट सूची ने लोनी की चुनावी गणना को नए सिरे से देखने की स्थिति बना दी है।

54-मुरादनगर : औद्योगिक क्षेत्र का असर, 1.08 लाख नाम कटे

करंट क्राइम। मुरादनगर विधानसभा में 1,08,754 मतदाता नाम पहली ड्राफ्ट सूची में बाहर हुए हैं। यह कुल मतदाताओं का 23.66 प्रतिशत है। औद्योगिक गतिविधियों और अस्थायी आबादी की अधिकता वाले इस क्षेत्र में लंबे समय से अनुपस्थित मतदाताओं की संख्या ज्यादा सामने आई है। ड्राफ्ट सूची के बाद मुरादनगर में मतदाता आधार में स्पष्ट गिरावट दर्ज की गई है।

55-साहिबाबाद: सबसे बड़ा झटका, हर दस में से चार वोट बाहर

साहिबाबाद विधानसभा रक्की पहली ड्राफ्ट सूची में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र बनकर सामने आई है। यहां 3,99,381 मतदाता नाम अनकलेक्टेबल श्रेणी में दर्ज हुए हैं, जो कुल मतदाताओं का 38.31 प्रतिशत है। यानी लगभग हर दस में से चार मतदाता पहली ड्राफ्ट में बाहर हैं। शहरी घनत्व, लगातार पलायन और किरायेदार आबादी की अधिकता को इसकी बड़ी वजह माना जा रहा है। साहिबाबाद की यह स्थिति जिले की चुनावी राजनीति पर सीधा असर डालने वाली मानी जा रही है।

56-गाजियाबाद : शहरी विस्तार की कीमत, 1.18 लाख नाम बाहर

गाजियाबाद विधानसभा क्षेत्र में 1,18,734 मतदाता नाम पहली ड्राफ्ट सूची से बाहर हुए हैं। यह आंकड़ा 25.35 प्रतिशत बैठता है। तेजी से फैलते शहरी क्षेत्र, नए आवासीय सेक्टर और लगातार बदलती आबादी का असर यहां साफ दिखाई दे रहा है। ड्राफ्ट सूची के बाद गाजियाबाद विधानसभा की मतदाता संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है।

57-मोदीनगर : जिले में सबसे कम कटौती, फिर भी 51 हजार नाम बाहर

मोदीनगर विधानसभा जिले में सबसे कम प्रभावित जरूर रही, लेकिन यहां भी 51,781 मतदाता नाम अनकलेक्टेबल घोषित किए गए हैं। यह कुल मतदाताओं का 15.47 प्रतिशत है। अन्य विधानसभाओं की तुलना में यह कटौती कम है, फिर भी यह संख्या किसी भी चुनावी गणित के लिए मामूली नहीं मानी जा सकती।

जिला स्तर पर कटौती की तस्वीर

जिले में अनकलेक्टेबल घोषित किए गए 8,18,139 नामों में 3,19,838 मतदाता ट्रेस न होने या अनुपस्थित पाए गए। 3,59,889 मतदाता स्थायी रूप से अन्य स्थानों पर शिफ्ट मिले। 63,824 मतदाता मृत घोषित किए गए। 31,787 नाम पहले से अन्य जगह पंजीकृत पाए गए, जबकि 42,798 नाम अन्य कारणों से सूची से बाहर हुए।

निष्कर्ष : एसआईआर अभियान की पहली ड्राफ्ट मतदाता सूची ने गाजियाबाद में यह साफ कर दिया है कि मतदाता आधार अब पहले जैसा नहीं रहा। साहिबाबाद और लोनी जैसे क्षेत्रों में भारी कटौती ने चुनावी समीकरणों को झकझोर दिया है, जबकि मोदीनगर अपेक्षाकृत संतुलित नजर आया है। पहली ड्राफ्ट के बाद अब निगाहें अगले चरण पर टिकी हैं, जहां यह तय होगा कि इनमें से कितने नाम अंतिम सूची में वापसी करते हैं और कितने स्थायी रूप से बाहर रह जाते हैं।

कड़ाके की ठंड के चलते गाजियाबाद में नर्सरी से कक्षा 8 तक के स्कूल 10 जनवरी तक बंद

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। जनपद में लगातार बढ़ रही कड़ाके की ठंड और शीतलहर को देखते हुए प्रशासन ने विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर बड़ा फैसला लिया है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, गाजियाबाद द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिले के नर्सरी से कक्षा 8 तक के सभी विद्यालय आगामी 07 जनवरी 2026 से 10 जनवरी 2026 तक बंद रहेंगे।

यह आदेश सभी बोर्डों पर लागू होगा, जिनमें सीबीएसई, आईसीएसई, यूपी बोर्ड और अन्य बोर्ड से संबद्ध निजी एवं मान्यता प्राप्त विद्यालय शामिल हैं। जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय अत्यधिक ठंड से बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

सभी विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिए गए हैं कि आदेश का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें।

यूपी में 12 करोड़ 55 लाख से ज्यादा मतदाता, SIR की ड्राफ्ट लिस्ट जारी

लखनऊ। यूपी में एसआईआर की पहली रफ सूची जारी हो गई है। अब लोग चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपना नाम देख सकते हैं।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में 12.55 करोड़ मतदाता है। पहले चरण के बाद 2.89 करोड़ यानी 18 फीसदी नाम कट गए।

6 जनवरी से दावे-आपत्तियां की जा सकती हैं। जिनके भी नाम पहली ड्राफ्ट सूची में नहीं हैं, वे 6 फरवरी तक फॉर्म 6 भरकर जमा कर सकते हैं। ताकि उनका नाम जोड़ा जा सके। 6 मार्च 2026 को अंतिम सूची जारी की जाएगी।

आयोग ने हेल्पलाइन नंबर-1950 जारी किया : दावे और आपत्तियां मुफ्त हैं। आयोग ने हेल्पलाइन नंबर- 1950 जारी किया है, जहां सहायता ली जा सकती है। शहरी क्षेत्रों में कम सहयोग को देखते हुए आयोग ने विशेष कैंप लगाने की योजना बनाई है।

एक जनवरी 2008 से पहले जन्मे लोग फार्म भर सकेंगे : राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया- एक जनवरी 2008 से पहले जन्मे लोग फार्म भर सकते हैं। एक अक्तूबर से जो एलिजेबल हो रहे हैं, वे फार्म भर सकते हैं। जिनका फॉर्म मिला है, उनकी मैपिंग नहीं है। उन्हीं को नोटिस दिया जाएगा। छह मार्च 2026 को अंतिम सूची जारी की जाएगी।

वेबसाइट से सीधे अपना नाम देख सकते हैं : राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि आप वेबसाइट से सीधे अपना नाम देख सकते हैं। 27 अक्टूबर 2025 से प्रक्रिया शुरू हुई। 4 नवंबर से पहला चरण शुरू हुआ। उस वक्त 15 करोड़ 30 हजार 92 मतदाता थे। सभी का गणना प्रपत्र प्रिंट आउट लिया था। प्रपत्र घर-घर जाकर दिए गए।

पहले एक सप्ताह के लिए समय बढ़ाया गया। फिर 11 दिसंबर को गणना चरण समाप्त होना था। 2.97 लाख नाम हट रहे थे, इसके लिए 15 दिन का अतिरिक्त समय दिया गया।

शिफ्ट करने वाले वोटरों की संख्या 2.17 करोड़ : राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि 15 करोड़ के ऊपर जो मतदाता थे उसमें उन्होंने खुद या परिवार के किसी ने हस्ताक्षर करके दिया वह थे।

पुरानी मतदाता सूची का लगभग 81 प्रतिशत लोगों ने साइन करके वापस किया और जिन्होंने नहीं दिया वह लगभगत 18 प्रतिशत हैं।

जिन्होंने नहीं दिए वापस फॉर्म उनके कई कारण थे। मृतक वोटरों की संख्या 46.23 लाख थी और स्थांतरित, यानि शिफ्ट करके जो वोटर चले गए हैं उनकी संख्या 2.17 करोड़ है। वहीं जो एक से ज्यादा स्थान पर नाम दर्ज पाए गए 25.47 लाख थे। जिनका नाम ड्राफ्ट में नहीं आया वह कुल 2.89 करोड़ हैं।

हिंडन विहार के लोगों के साथ बसपा प्रतिनिधि मंडल ने की डीएम से मुलाकात

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद हिंडन विहार में कूड़ा डंपिंग सेंटर बनाने के विरोध में मंगलवार को स्थानीय लोगों के साथ बसपा के एक प्रतिनिधि मंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात की। हिंडन विहार के स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ को एक ज्ञापन दिया जिसमें पूरा डंपिंग सेंटर से होने वाली परेशानियों से अवगत कराया गया।

जिलाधिकारी ने ज्ञापन को नगर आयुक्त को मार्क कर समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। हिंडन विहार में पहले से ही कूड़ा सेग्रीगेशन का एक फैक्ट्री है।

उसके पास ही कूड़ा डंपिंग सेंटर बनाया जा रहा है इस केंद्र में अलग-अलग वार्डों से कूड़ा लाकर डंप किया जा रहा है जहां से इसे सेग्रीगेशन फैक्ट्री में भेजा जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले से पहले से ही हिंडन विहार में कूड़े से निकलने वाली दुर्गंध की वजह से रहना मुश्किल हो गया है अब एक और कूड़ा डंपिंग सेंटर बनाए जाने से लोगों की परेशानी दोगुनी हो जाएगी। बसपा के पूर्व जिला अध्यक्ष दयाराम सेन और उपाध्यक्ष पंकज शर्मा के नेतृत्व में स्थानीय लोगों ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया स्थानीय निवासी अखलाक सैफी ने बताया कि जिलाधिकारी नगर आयुक्त को मार्क कर आश्वासन दिया है कि इस विषय पर जल्दी सर्वमान्य फैसला लिया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण पर सीएक्यूएम को लगाई फटकार

कहा- कर्तव्य निभाने में रहे असफल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से संबंधित याचिकाओं पर मंगलवार को सुनवाई की। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) को कर्तव्य निभाने में असफल रहने पर फटकार लगाई है। वहीं सीएक्यूएम की दिल्ली की सीमाओं पर मौजूद टोल प्लाजा को हटाने या अस्थायी रूप से बंद करने की मांग को ठुकरा दिया है।

सीएक्यूएम को 'सुप्रीम' फटकार : मंगलवार को शीर्ष अदालत में सुनवाई के दौरान वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) दिल्ली बॉर्डर पर टोल प्लाजा को अस्थायी रूप से बंद करने या हटाने के मुद्दे पर 2 महीने का समय मांगा था। जिस पर फटकार लगाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को ठुकरा दिया और कहा कि आयोग अपना कर्तव्य निभाने में असफल रहा है। वहीं अदालत ने वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग को चरणबद्ध तरीके से लंबे समय के समाधानों पर विचार करना शुरू करने का निर्देश दिया है।

टोल प्लाजा के मुद्दे पर भी विचार करने का निर्देश

कोर्ट ने आयोग को निर्देश दिए हैं कि वह विभिन्न हितधारक के रुख से प्रभावित हुए बिना टोल प्लाजा के मुद्दे पर विचार करेगा। इसी के साथ दो हफ्ते में विशेषज्ञों की बैठक बुलाने और बढ़ते प्रदूषण के मुख्य कारणों पर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है।

मुख्य कारणों पर रिपोर्ट जमा कराने के निर्देश : मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जॉयमाल्य बागची की पीठ ने आयोग को दो हफ्ते में एक्सपर्ट्स की एक मीटिंग बुलाने और बढ़ते प्रदूषण के मुख्य कारणों पर एक रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने सख्त लहजे में पूछा कि क्या आप प्रदूषण के कारणों की पहचान कर पाए हैं? इन सभी दिनों में बहुत सारा मटेरियल पब्लिक डोमेन में आ रहा है, एक्सपर्ट्स आर्टिकल लिख रहे हैं, लोगों की राय है, वे हमें मेल पर भेजते रहते हैं।

पीठ ने आगे कहा कि भारी वाहन इसमें (वायु प्रदूषण) बड़ा योगदान दे रहे हैं, इसलिए पहला सवाल यह है कि हम इससे कैसे निपटें। 2 जनवरी को मीटिंग करके और हमें यह बताना कि हम दो महीने बाद आएंगे, यह हमें मंजूर नहीं है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग अपनी ड्यूटी निभाने में नाकाम हो रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने सीएक्यूएम को चरणबद्ध तरीके से लंबे समय के समाधानों पर विचार करना शुरू करने और विभिन्न हितधारक के रुख से प्रभावित हुए बिना टोल प्लाजा के मुद्दे पर भी विचार करने का निर्देश दिया है।

शरजील-उमर को जमानत न मिलने के बाद जेएनयू में आधी रात प्रदर्शन, पीएम मोदी और अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी

कोई भी सुप्रीम कोर्ट से ऊपर नहीं है: अरविंद सिंह लवली

भाजपा विधायक अरविंदर सिंह लवली ने कहा, 'इस देश में कोई भी सुप्रीम कोर्ट से ऊपर नहीं है। इस देश में न्याय व्यवस्था से ऊपर कुछ भी नहीं है, और सरकार भी इसका पालन करने के लिए बाध्य है। इस तरह से उस न्याय का विरोध करना और सिर्फ राजनीति करना, इसका मतलब है कि आप देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा हैं। मैं ऐसे लोगों की निंदा करता हूं जो इस देश को टुकड़ों में बांटने की कोशिश कर रहे हैं।' वहीं, भाजपा नेता करनैल सिंह ने कहा, ये शरारती तत्व देश में अराजकता फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

'जेएनयू में इस प्रकार के नारे लगना निंदनीय'

नई दिल्ली। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में उस समय तनाव का माहौल बन गया जब छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज होने के बाद प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक और विवादित नारे लगाए गए। वहीं, इस मामले में जेएनयू के चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर ने वसंत कुंज पुलिस स्टेशन एसएचओ को पत्र लिख एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

सोमवार रात हुए विरोध प्रदर्शन के एक कथित वीडियो के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ नारेबाजी की गई। यह घटना 5 जनवरी 2020 को जेएनयू परिसर में छात्रों पर हुए हमले की वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई। जेएनयू छात्र संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने शरजील इमाम और उमर खालिद को जमानत न मिलने पर अपनी नाराजगी व्यक्त की। विश्वविद्यालय प्रशासन इस मामले की जांच में जुट गया है और घटना से जुड़े तथ्यों का पता लगाने का प्रयास कर रहा है।

जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन की प्रेसिडेंट अदिति मिश्रा ने कहा कि हर साल, स्टूडेंट्स 5 जनवरी, 2020 को कैंपस में हुई हिंसा की निंदा करने के लिए विरोध प्रदर्शन करते हैं। मिश्रा ने बताया, 'विरोध प्रदर्शन में लगाए गए सभी नारे वैचारिक थे और किसी पर भी व्यक्तिगत हमला नहीं करते थे। वे किसी खास व्यक्ति के लिए नहीं थे।'

बता दें कि 5 जनवरी, 2020 को कैंपस में हिंसा भड़क गई थी। जब नकाबपोश लोगों की भीड़ कैंपस में घुस गई और तीन हॉस्टलों में छात्रों को निशाना बनाया। लाठियों, पत्थरों और लोहे की रॉड से हमला किया, हॉस्टल में रहने वालों को पीटा और खिड़कियां, फर्नीचर और निजी सामान तोड़ दिए।

यह 21वीं सदी का नरेंद्र मोदी का भारत है: केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, 'जेएनयू 'टुकड़े-टुकड़े गैंग', राहुल गांधी जैसी देश विरोधी मानसिकता वाले लोग, चाहे वह आरजेडी हो, डीएमसी हो, या वामदल हो उनका कार्यालय बन गया है। उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि यह भारत है, यह 21वीं सदी का नरेंद्र मोदी का भारत है। विवेकानंद ने कहा था कि भगवा ही होगा। मैं 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' से कहना चाहता हूं कि जो लोग उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे लोगों का समर्थन करते हैं, जो पाकिस्तान की सोच रखते थे और चिकन नेक को अलग करने की बात करते, वे देशद्रोही हैं।'

मानहानि मामले में नोटिस जारी होने पर बोले प्रियांक खरगे 'देश के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा है आरएसएस'

बंगलूरू। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने मंगलवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को देश के विकास में सबसे बड़ा रोड़ा बताया। प्रियांक खरगे ने आरोप लगाया कि उनके खिलाफ दायर कानूनी मामले संगठन के बारे में उनकी ओर से उठाए गए सवालों की प्रतिक्रिया हैं।

प्रियांक खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक अखबार का लेख साझा किया, जिसमें बताया गया था कि एक आरएसएस सदस्य की ओर से दायर मानहानि की शिकायत के मामले में एक विशेष अदालत ने उन्हें और राज्य के साथी मंत्री दिनेश गुंडू राव को नोटिस जारी किया है।

अपने पोस्ट में खरगे ने आरएसएस प्रमुख मोहन भगवत के उस बयान का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि संगठन अपने स्वयंसेवकों के चंदे से चलता है। इस दावे पर सवाल उठाते हुए उन्होंने स्पष्टीकरण मांगा।

उन्होंने कहा, 'कुछ चुनिंदा लोगों का समूह अपने कठपुतलियों का इस्तेमाल करके हमारे खिलाफ मामले दर्ज करवा रहा है, सिर्फ इसलिए कि हम आरएसएस पर जायज सवाल उठा रहे हैं। आरएसएस राष्ट्र के विकास में सबसे बड़ी बाधा है।' उन्होंने सवाल खड़े करते हुए कहा, 'मोहन भागवत ने कहा है कि आरएसएस अपने स्वयंसेवकों के दिए गए दान से चलता है। हालांकि, इस दावे के संबंध में कई जायज सवाल उठते हैं: ये स्वयंसेवक कौन हैं और इनकी पहचान कैसे होती है?

आवारा कुत्तों की गिनती के मुद्दे पर सदन में हंगामा भाजपा ने केजरीवाल से की माफी की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का शीतकालीन सत्र सोमवार को शुरू होते ही हंगामेदार हो गया। सत्र के दूसरे दिन, मंगलवार को भी सदन की कार्यवाही की शुरूआत आवारा कुत्तों की गिनती के मुद्दे पर जोरदार हंगामे के साथ हुई।

भाजपा के विधायक अजय महावर ने सदन में इस मुद्दे को उठाते हुए आम आदमी पार्टी (आप) पर भ्रामक प्रचार करने का आरोप लगाया। महावर ने मांग की कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस मामले में माफी मांगनी चाहिए। सदन में बढ़ता हंगामा और गरमागरमी को देखते हुए, विधानसभा अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही को 30 मिनट के लिए स्थगित करना पड़ा। दोबारा बैठक शुरू होने पर विधानसभा में फिर हंगामा होने लगा। जिसे देखते हुए। एक बजे तक बैठक स्थगित कर दी गई।

इस मुद्दे पर दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने केजरीवाल को पत्र लिखा है। जिसमें आशीष सूद ने अरविंद केजरीवाल पर भ्रामक और तथ्यहीन बयान देने का आरोप लगाते हुए इसे अफवाह फैलाने वाला बताया है। आशीष सूद ने लिखा है कि अरविंद केजरीवाल को दिल्ली की जनता से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। केजरीवाल को लिखे एक लेटर में मंत्री ने कहा, 'आपने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया है कि टीचरों को आवारा कुत्तों की गिनती से जुड़ी ड्यूटी दी जा रही है।

गुलमर्ग में सीजन की सबसे सर्द रात

श्रीनगर से लेह तक घाटी में तापमान माइनस में दर्ज

श्रीनगर। घाटी में रात का पारा जमाव बिंदु पर पहुंच गया है। सबसे कम न्यूनतम तापमान गुलमर्ग में माइनस 8.8 डिग्री सेल्सियस रहा, यह इस सीजन का सबसे कम तापमान है। श्रीनगर में पारा माइनस 3.6 डिग्री रहा। सोमवार को दोपहर में धूप तो निकली पर ठंडी हवा के आगे बेअसर लगी। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार इस सप्ताह तापमान तीन डिग्री तक और गिरेगा।

सोमवार को श्रीनगर में अधिकतम तापमान 9.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 2.0 डिग्री अधिक है।

वहीं न्यूनतम तापमान माइनस 3.6 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 1.2 डिग्री कम है। कश्मीर के प्रवेश द्वार काजीगुंड में अधिकतम तापमान 8.5 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 1.0 डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान

माइनस 1.0 डिग्री रहा जो सामान्य से 1.0 डिग्री अधिक है।

पहलगाम में अधिकतम तापमान 7.0 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 1.3 डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान माइनस 4.8 डिग्री रहा जो सामान्य से 1.1 डिग्री अधिक है। गुलमर्ग में अधिकतम तापमान 2.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 0.3 डिग्री कम है, वहीं न्यूनतम तापमान माइनस 8.8 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से 2.1 डिग्री कम है।

मौसम विभाग से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार कश्मीर संभाग में न्यूनतम तापमान श्रीनगर एयरपोर्ट पर माइनस 3.6 डिग्री, कुपवाड़ा में माइनस 1.8 डिग्री, कोकेरनाग में माइनस 1.2 डिग्री, पांपोर में माइनस 2.5 डिग्री, अवंतिपोरा में माइनस 3.2 डिग्री, बडगाम में माइनस 3.5 डिग्री, अनंतनाग में माइनस 3.2 डिग्री, बारामुला में माइनस 0.7 डिग्री, बांदीपोरा में माइनस 1.3 डिग्री, पुलवामा में माइनस 4.2 डिग्री, शोपियां में माइनस 5.6 डिग्री, जेथान राफियाबाद में माइनस 3.5 डिग्री सेल्सियस रहा।

जम्मू संभाग में न्यूनतम तापमान जम्मू में 8.7 डिग्री, जम्मू एयरपोर्ट पर 11.1 डिग्री, बनिहाल में माइनस 1.3 डिग्री, बटोत में 2.1 डिग्री, कटड़ा में 5.6 डिग्री, भद्रवाह में माइनस 2.1 डिग्री, कठुआ में 8.4 डिग्री, उधमपुर में 6.0 डिग्री, रामबन में 2.7 डिग्री, राजौरी में 1.6 डिग्री, किश्तवाड़ में 2.3 डिग्री, रियासी में 8.3 डिग्री, डोडा में 2.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लद्दाख संभाग के लेह में माइनस 9.6 डिग्री, कारगिल में माइनस 8.4 डिग्री, नुबरा वैली में माइनस 7.5 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

जनता के साथ जुड़ाव को और मजबूत करने की कवायद में जुट गई है कांग्रेस

15 जनवरी के बाद प्रदेश में कांग्रेस शुरू करेगी सघन जनसंपर्क अभियान, गाजियाबाद समय 17 जिलों पर रहेगा जोर

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। उत्तर प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस एक बार फिर से अपनी खोई हुई जमीन को वापस पाने के लिए संगठन को मजबूत करने के साथ ही जनता के साथ जुड़ाव को और अधिक बढ़ने की कोशिश तेज कर दी है। इसी के तहत कांग्रेस अब 15 जनवरी से पंचायत और विधानसभा चुनाव के लिए जनसंपर्क का अभियान शुरू कर रही है।

इस इस अभियान के तहत कांग्रेस के बूथ और ब्लॉक लेवल के नेताओं के साथ ही प्रदेश और राष्ट्रीय नेता भी लोगों से संपर्क करेंगे। इस अभियान के तहत पार्टी की ओर से रेलिया का भी आयोजन किया जाएगा। कांग्रेस का मुख्य जोर उन छह सीटों के तहत आने वाली विधानसभा में अपनी ताकत को और बढ़ाने पर है जिसे लोकसभा चुनाव के दौरान पार्टी ने जीत हासिल

की थी। इन 6 सीटों के अलावा कांग्रेस ने करीब 20 जिलों की 120 सीटों पर अपनी ताकत बढ़ाने की रणनीति तैयार की है इन सीटों में गाज़ियाबाद भी शामिल है।

पंचायत और विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी रणनीति में बदलाव किया है। मनरेगा योजना का जब से नाम बदल गया है तभी से कांग्रेस इस मुद्दे को जोर-जोर से उठाने की रणनीति बना रही है। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि मनरेगा योजना को लेकर उसके कार्यकर्ता जनता के बीच जाएंगे और भाजपा सरकार की कथित बदनियत को जनता के बीच उजागर करेंगे। अभियान के तहत गाजियाबाद में भी कांग्रेस की बड़ी रैली का आयोजन किया जाएगा। इस रैली की तिथि और इसमें कौन भाग लेंगे इस पर चर्चा जारी है। कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि रैली को प्रियंका गांधी संबोधित कर सकती है।

सूत्रों का कहना है कि लोकसभा चुनाव में 6 सीटों पर जीत हासिल करने के बाद कांग्रेस को लग रहा है कि 30 से 35 लोकसभा सीटों के तहत आने वाली विधानसभा सीटों पर अगर जोर लगाया जाए तो अच्छे नतीजे ले जा सकते हैं। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने अमेठी रायबरेली के साथ सीतापुर बाराबंकी इलाहाबाद और सहारनपुर सीट पर जीत हासिल की है इन 6 सीटों के तहत करीब 36 विधानसभा सीटें आती है।

लोकसभा चुनाव में इन 36 विधानसभा सीटों में से करीब 28 सीटों पर कांग्रेस को बढत हासिल हुई थी कांग्रेस इस बढ़त को बनाए रखना चाहती है। इसके लिए कांग्रेस ने अलग रणनीति बनाई है।

कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि कानपुर, झांसी, बांसगांव, फतेहपुर सीकरी वाराणसी, देवरिया, गाजियाबाद और अमरोहा सीटों पर पार्टी कम वोटो के अंतर से हारी थी। इन सीटों पर अगर अगर अभी से मेहनत की जाए तो नतीजों में फर्क आ सकता है। पार्टी उन 17 सीटों पर विशेष जनसंपर्क अभियान शुरू करने जा रही है जहां लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी खड़े किए गए थे।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली | बुधवार 07 जनवरी -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

क्यों उठी है अब भगवा खेमे से लेकर जनता के बीच तक ये आवाज कौन-सी दरों पर भरा है जनप्रतिनिधियों ने अपना हाउस टैक्स ?

गाजियाबाद, करंट क्राइम। हाउस टैक्स में वृद्धि हुई और इस वृद्धि के बाद से ही मोर्चा खुला हुआ है। नगर निगम की बोर्ड बैठक में प्रस्ताव को लेकर हंगामा हुआ और हाउस टैक्स वृद्धि का प्रस्ताव सर्वसम्मति से निरस्त किया गया। खुद नगर निगम पार्षद सदन की मुखिया मेयर ने सदन में प्रस्ताव के निरस्त होने की घोषणा की। उन्होंने वीडियो जारी कर जनता से ये अपील भी की कि वो नई दरों पर टैक्स जमा ना करें और पुरानी दरों पर टैक्स जमा करें। सत्ताधारी दल के पार्षद हाउस टैक्स को लेकर धरने पर बैठ गये। शहर विधायक संजीव शर्मा ने शासन को पत्र लिखा और लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने भी हाउस टैक्स की वृद्धि को समर्थन नहीं दिया और इसके अलावा भाजपा के ही पूर्व सीनियर पार्षद राजेन्द्र त्यागी, पूर्व पार्षद हिमांशु मित्तल, पूर्व पार्षद अनिल स्वामी इस हाउस टैक्स वृद्धि के विरोध में हाईकोर्ट चले गये। मुकदमा जारी है और 15 जनवरी को इस मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है।

मेयर ने कहा बढ़ी दरों पर टैक्स लागू नहीं होगा। सदन ने कहा बढ़ी दरों पर टैक्स लागू नहीं होगा। जिले के प्रभारी मंत्री ने कहा कि अधिकारी टैक्स को नहीं बढ़ा सकते, ये सदन का मामला है। लेकिन कमाल ये हुआ है कि इन सबके बाद भी निगम प्रशासन ने जनता को बढ़े हुए दरों पर टैक्स के मैसेज भेजे। यहां पर

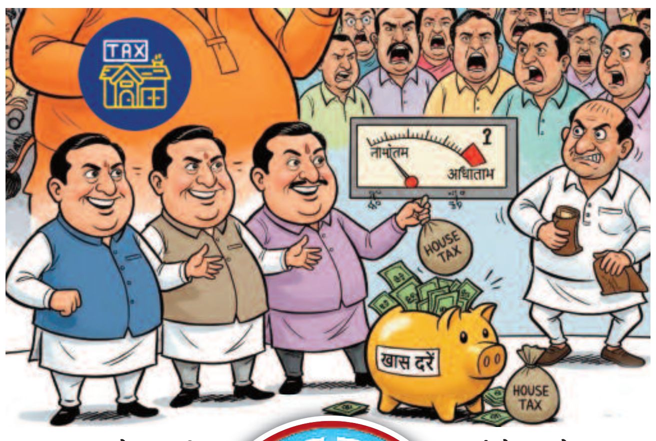

दूसरा कमाल ये हुआ कि जनता ने बढ़ी हुई दरों पर 100 करोड़ से अधिक का टैक्स जमा भी करा दिया। जनप्रतिनिधि कहते रहे कि बढ़ी दरों पर टैक्स नहीं देना लेकिन अधिकारी लगातार मैसेज भेजते रहे कि दर तो यही लागू होंगी। मेयर ने सबसे पहले कहा कि पुरानी दरों पर टैक्स जमा होगा और कोई भी व्यक्ति नई दरों पर टैक्स जमा ना करे। लेकिन कुछ दिन बाद मेयर ने ये अपील की कि अभी 20 परसेंट की छूट मिल रही है, तो टैक्स जमा करा दीजिए। टैक्स की कहानी में एक भगवा मोड़ तब आया जब नगर निगम के पूर्व मेयर और भाजपा नेता अशु वर्मा ने अपने घर का हाउस टैक्स जमा कराने के लिए अपना कर्मचारी भेजा।

पूर्व मेयर अशु वर्मा का कर्मचारी जब नगर निगम के सरकारी कर्मचारी के पास पहुंचा तो सरकारी कर्मचारी ने साफ कह दिया कि टैक्स तो नए रेट पर ही लगा है और नए रेट पर ही जमा होगा। पूर्व मेयर अशु वर्मा ने जब निगम के अधिकारी से बात की तो अधिकारी ने यहां साफ्टवेयर की बात कही और कहा कि पार्ट पेयमेंट ले सकते हैं लेकिन रेट तो नए वाला ही लगेगा। ये हाल तो गाजियाबाद के नगर निगम के उस व्यक्ति के घर का था जो व्यक्ति खुद नगर निगम में पार्षद दल का मुखिया रहा है और गाजियाबाद का मेयर रहा है। पूर्व मेयर अशु वर्मा ने सोमवार को एक कार्यक्रम में साफ कह दिया कि अगर मैं मेयर होता तो पार्षदों की आवाज बनता और टैक्स में वृद्धि नहीं होने देता। अब टैक्स की इस लड़ाई में नया सवाल भगवा खेमे से लेकर आम जनता के बीच उठ गया है। भाजपा के ही एक नेता ने नाम ना छापने की शर्त पर ये कहा कि जरा जनता को भी तो पता चले कि उनके विधायक, उनके एमएलसी, उनके मंत्री, उनके सांसद, उनके पूर्व सांसद आखिर कौन सी दरों पर अपने घरों का हाउस टैक्स जमा कराकर आये हैं। क्या वो हाउस टैक्स जमा कराकर नहीं आये हैं। तो क्यों नहीं जमा कराया अगर जमा कराया है तो कौन सी दरों पर जमा कराया है।

दरअसल भाजपा के एक नेता हैं और उन्होंने करंट क्राइम को बताया कि उनके घर का टैक्स ही कई गुना बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि पहले उनके घर का हाउस टैक्स 6000 रूपये था और अब यही टैक्स 18000रूपये की दर से आ गया है। भाजपा के ये नेता जानना चाहते हैं और शहर की जनता ये जानना चाहती है कि उनके लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने अपने आवास का हाउस टैक्स कौन सी दर से जमा कराया है। जनता जानना चाहती है कि पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने कौन से रेट से हाउस टैक्स जमा कराया है। जनता को ये तो पता चले कि उनके शहर विधायक संजीव शर्मा ने अपने घर का टैक्स कौन सी रेट से जमा किया है। जनता जानना चाहती है कि एमएलसी दिनेश गोयल, कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा, राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेन्द्र कश्यप ने कौन सी दर से अपना हाउस टैक्स जमा कराया है। मुरादनगर विधायक अजीतपाल त्यागी ने अगर अपने घर हाउस टैक्स जमा कराया है तो कौन सी दरों पर जमा कराया है। भाजपा नेता ने कहा कि अगर लोकतंत्र की पारदर्शिता है तो ये जनप्रतिनिधि आगे आकर बतायें कि उन्होंने टैक्स जमा करा दिया है।

जनता को पता तो चले कि जो पदेन सदस्य उनके लिए निगम की बैठक में टैक्स की लड़ाई लड़ने गये थे। उन सदस्यों ने कौन से रेट से अपना हाउस टैक्स जमा करा दिया। जनता को ये तो पता चले कि कितने पार्षदों ने अपना हाउस टैक्स जमा कराया है और कौन सी दर से जमा कराया है। अगर जनप्रतिनिधि पारदर्शिता का सम्मान करते हैं और लोकतंत्र की आवाज बनकर सामने आते हैं तो पता चल जायेगा कि कौन जनप्रतिनिधि जनता की लड़ाई लड़ रहा है और किस जनप्रतिनिधि ने चुपचाप नई रेट पर अपने हाउस टैक्स का बिल जमा करा दिया है।

जब तक मैं जीवित हूं तब तक नेहरू युवा केंद्र पर नहीं होगी खेल के अलावा कोई और एक्टिविटी : राजेन्द्र मित्तल मेदी

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केन्द्र के गाजियाबाद सेंटर के अध्यक्ष राजेन्द्र मित्तल मेदी ने कहा है कि यह केन्द्र केवल खेल कूद के लिए है। उन्होंने कहा कि ना तो इस जमीन का लैंड यूज बदला जा सकता है और ना ही इस पर कोई और गतिविधि की जा सकती है। यहां पर हो रही गतिविधियों और उनको लेकर उठ रही आशंकाओं का उन्होंने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केन्द्र एक निजी संस्था है। यह स्वर्गीय एनडी तिवारी की संस्था है। उन्होंने कहा कि यह केवल गाजियाबाद में नहीं है बल्कि ावाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केन्द्र के सेंटर दिल्ली में दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर हैं। लखनऊ में हैं, बरेली में है, नोएडा में है, गाजियाबाद में हैं। इसके अलावा यह हरिद्वार, आन्ध्रप्रदेश और केरल में भी हैं। गाजियाबाद के जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केन्द्र का इतिहास बताते हुए उन्होंने कहा कि यहां चारो तरफ जंगल था और इस संस्था का निर्माण ही खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए किया गया था। यही इसका उद्देश्य है। जमीन के दूसरे उपयोग और अन्य आशंकाओं के सवाल पर उन्होंने कहा कि एक इंच भी जगह अगले 50 साल में किसी को नहीं दी जा सकती और ना ही अन्य किसी उपयोग में ली जा सकती है। उन्होंने बताया कि इस संस्था के मुख्य सदस्यों में राजेन्द्र मित्तल मेदी, रविन्द्र मित्तल, कृष्ण अवतार गर्ग और जगत शर्मा थे। उन्होंने बताया कि कृष्ण अवतार गर्ग इस संस्था कैशियर थे और उनका निधन कुछ माह पहले हो गया। उन्होंने कहा कि मैं 12 साल से इस केन्द्र को लेकर सक्रिय नहीं था। एक बार स्वर्गीय एनडी तिवारी भी मेरे घर आये थे उन्होंने मुझसे संस्था में एक्टिव होने के लिए कहा था। संस्था के कांग्रेस पृष्ठभूमि के सवाल को नकार दिया और कहा कि एनडी तिवारी के निधन पर सोनिया गांधी गई भी नहीं थी। उन्होंने कहा कि जब जीडीए के पत्र मेरे पास आये तो फिर मुझे आगे आना पड़ा। जगत शर्मा को लेकर उन्होंने कहा कि वह कई बार संस्था को चलाने के लिए किसी को भी कार्यवाहक अध्यक्ष बना देता था लेकिन वैधानिक रूप से यह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि जमीन पर स्वामित्व पूरी तरह से जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केन्द्र का है। यह जमीन खरीदी गई है और इसकी रजिस्ट्री मैंने कराई है। संस्था ठीक चल रही है। संस्था पर कामर्शियल एक्टिविटी और इसके लैंड यूज बदले जाने की चर्चा को उन्होंने केवल आशंका बताया। उन्होंने कहा कि इस जमीन का लैंड यूज चेंज ही नहीं हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस जमीन का कांग्रेस से कोई मतलब नहीं है। उन्होंने दावा किया जब तक मैं जीवित हूं इस जमीन का लैंड यूज चेंज नहीं होगा।

मछली पालन उद्योग की बारीकियों को समझने सांसद अतुल गर्ग पहुंचे विशाखापटनम
अमेरिका के ट्रैरिफ से पड़ने वाले इफैक्ट का आकलन करने पहुंची है संसदीय दल की टीम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग का भी अपना अलग अंदाज है। वो विदेश में राष्ट्रपति के साथ तीन देशों की उस यात्रा पर जाते हैं जिसमें व्यवसायिक संबंधों और एक्सपोर्ट की संभावनाओं पर मंथन होता है।

जब कूटनीति की बात आती है तो उन्हें विदेश की धरती पर भारत का पक्ष रखने वाले सांसद मंडल में शाामिल किया जाता है। एक बार फिर गाजियाबाद के लोकसभा सांसद अतुल गर्ग नए अंदाज में है।

इस बार वो मछली पालन उद्योग की बारिकीयों को समझ रहे हैं। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग इन दिनों विशाखा पटनम में हैं। वो वहां पर उस सांसद दल का हिस्सा हैं जो अलग अलग क्षेत्रों में जाकर भारत के देश विदेश के व्यापार की संभावनाओं का

अवलोकन करते हैं। उसके बाद ये संसदीय कमेटी अपनी रिपोर्ट देती है। विशाखा पटनम में समुद्र के बीच सांसद अतुल गर्ग ने मछली पालन उद्योग की बारीकियों को समझा।

दैनिक करंट क्राइम से बातचीत में उन्होंने बताया कि यह एक संसदीय दल है जो चार बार अलग अलग क्षेत्रों में जाता है। उन्होंने बताया कि वह संसदी की कामर्शियल कमेटी के सदस्य के रूप में विशाखा पटनम आये हैं। सांसदों का यह दल मछली पालन की तकनीकी उन्नति की स्टडी करने के लिए आया है। यहां पर यह संसदीय दल इस बात का भी अद्ययन कर रहा है कि अमेरिकी टैरिफ के बाद से भारत के फिश निर्यात उद्योग को कितना संभावित नुकसान होगा। इसे कैसे कवर किया जा सकता है। इसकी स्टडी चल रही है और इसके बाद कमेटी अपनी रिपोर्ट देगी। हालांकि उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट पूरी तरह गोपनीय होती है और इसे डिस्क्लोज नहीं किया जाता है। परंतु उन्होंने कहा कि मछली पालन उद्योग की नई तकनीक और उसके विस्तार की संभावनाओं की जानकारी के लिए बीच समुद्र में जाकर देखा है।

उन्होंने बताया कि मछली पालन में पानी के भीतर भी इस तकनीक से मछली पालन होता है जिसमें 6×6 मीटर का एक जाल ही पानी के भीतर डाल दियाजाता है। इस जाल में ही मछली का बीज डाला जाता है। इससे यहीं पर मछली की पैदावार होती है और ये पानी के भीतर विकसित होत है और बाहर भी नहीं जाती है। इस तकनीक से लगभग 2 टन मछली एक जाल से पैदा होती है। उन्होंने कहा कि इस बात का भी अध्ययन हो रहा है कि तकनीक का समुचित उपयोग करते हुए मछली पालन पर गौर किया जाये तो भारत दुनिया का सबसे बड़ा फिश एक्सपोर्टर बन सकता है।

मकर संक्रांति पर सपा देगी खिचड़ी पैगाम

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नए साल के अवसर पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने लखनऊ में जहां लिट्टी-बाटा-चोखा और तहरी का कार्यक्रम रखा, तो इसकी आवाज अब और जगह से भी आने लगी है। अब समाजवादी पार्टी के करीबी सूत्र बता रहे हैं की मकर संक्रांति के अवसर पर इस बार पूरे प्रदेश की अलग-अलग विधानसभाओं में पार्टी के नेताओं को भंडारे और खिचड़ी वितरण कार्यक्रम के लिए प्लान बनाने के निर्देश दिए जा रहे हैं। बताया जा रहा है इस कार्यक्रम का मकसद अधिक से अधिक सपा नेताओं को एक्टिव करने के साथ ही जनता से उनका जुड़ाव करवाना है। दरअसल जिस तरीके के कार्यक्रम पहले भारतीय जनता पार्टी और अन्य दल कर देते थे लेकिन समाजवादी पार्टी अब विधानसभा 2027 को लेकर नया प्लान बना रही है। जिसके तहत इस बार खिचड़ी पैगाम खास रहने वाला है, बताया जा रहा है कि गाजियाबाद की भी सभी विधानसभाओं में विधानसभा अध्यक्ष और अन्य प्रमुख नेताओं को इस तरीके के आयोजन करने के निर्देश जल्द जारी कर दिए जाएंगे।

उधर सपा के सूत्रों से जानकारी यह मिली है कि समाजवादी पार्टी के कुछ नेताओं को इस बात की मॉनिटरिंग पर भी लगाया जाएगा कि किसका भंडारे वाला कार्यक्रम खिचड़ी वाले दिन कितना लंबा चलता है और क्या-क्या व्यवस्था रहती है। देखना होगा खिचड़ी पर हाल ,माहौल और इंतजाम क्या रहेंगे।

टिकट दावेदार भी आएंगे खुलकर सामने

करंट क्राइम : समाजवादी पार्टी के खेमे में इस बात की चर्चा शुरू हो गई है कि जिस तरीके से यह खिचड़ी पैगाम और भंडारे का प्रोग्राम होना है, उसको लेकर समाजवादी पार्टी के वह फेस भी सामने आएंगे, जो आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी का झंडा लेकर साइकिल की सवारी करने को बेताब हैं। अब देखना होगा कि गाजियाबाद की विधानसभा सीटों से कौन-कौन खिचड़ी के बटवाने और आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में आगे आता है। खिचड़ी वाले इस कार्यक्रम से न सिर्फ समाजवादियों की बल्कि प्रदेश में होने वाले अगले चुनाव को लेकर भी चुनावी रणनीति यही से शुरू मानी जा रही है।

साल 2026 में बनकर तैयार होगा यूपी का सबसे हाईटेक फायर स्टेशन
आठ गाड़ियों का रहेगा स्पेस और बैरक से लेकर फायर स्टेशन ऑफिसर के बनेंगे आवास

गौरव शशि नारायण

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाला सिस्टम बनने के बाद गाजियाबाद मेट्रोपॉलिटन सिटी में शामिल हो चुका है। इसका फायदा होना शुरू हो गया है, जहां पुलिस कमिश्नरेट में आधुनिक निर्माण कार्य हो रहे हैं। तो वहीं अब गाजियाबाद में थाना सिहानी गेट के बराबर से बड़े भूखंड में यूपी के सबसे हाईटेक फायर स्टेशन का निर्माण कार्य जोरों पर हो रहा है। मंगलवार को मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल, घंटाघर फायर स्टेशन के निरीक्षक शेषनाथ यादव सहित निर्माण कार्य कर रही एजेंसी टीम ने निरीक्षण किया है। बताया जा रहा है कि लगभग साढ़े 25 करोड़ से अधिक की लागत से निर्मित इस फायर स्टेशन की पहली किस्त निर्माण के लिए इस्तेमाल की जा चुकी है। जल्द ही बहुमंजिला बनने वाले इस फायर स्टेशन में अन्य निर्माण कार्य शुरू हो जाएंगे। अग्निशमन विभाग के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार इस फायर स्टेशन में आठ आधुनिक फायर फाइटिंग वाली गाड़ियों का पार्किंग स्पेस रहेगा । तो शहर और आसपास के जिलों में किसी भी बड़ी आग लगने की स्थिति में इस फायर स्टेशन की मदद भी ली जाएगी।

- साढ़े 25 करोड़ की लागत से बनने वाले फायर स्टेशन की पहली किस्त हुई इस्तेमाल

- मंगलवार को अग्निशमन अधिकारियों ने किया निर्माण कार्य का निरीक्षण

एडमिन ब्लॉक और ऑफिसर्स ऑफिस भी होंगे एक साथ

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के सिटी जोन के अंतर्गत बन रहे इस अत्याधुनिक फायर स्टेशन में जहां ग्राउंड फ्लोर के साथ ही एडमिन ब्लॉक बनाया जाएगा। तो दमकल के अधिकारियों के लिए भी आवास और ऑफिस की सुविधा महिया कराई जाएगी। इसके साथ ही किसी भी बड़ी आग की दुर्घटना होने पर न सिर्फ गाजियाबाद बल्कि आसपास के जिलों और कमिश्नरेट में भी यहां से आग बुझाने वाली गाड़ियों को रवाना करने का इंतजाम और व्यवस्था रखी जाएगी।

बहुमंजिला बनेगी बिल्डिंग, 30 होंगे आवास

करंट क्राइम : सीएफओ राहुल पाल ने जानकारी दी है कि आधुनिक फायर स्टेशन के इस परिसर में न सिर्फ बैरक बनाई जाएगी बल्कि यहां फायर स्टेशन में काम करने वाले कर्मचारियों के साथ ही अधिकारियों के आवास भी बनाए जाएंगे। इसमें 30 आवास, बैरक के रूप में कर्मचारियों को मुहैया कराए जाएंगे, तो वहीं फायर स्टेशन अफसर के लिए भी तीन आवास बनाए जाएंगे, जिसमें पार्किंग सुविधा से लेकर उनके फॉलोअर्स के रहने का इंतजाम किया जाएगा।

वाटर स्टोरेज का रहेगा बाद टैंक

करंट क्राइम : अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि इस अत्याधुनिक फायर स्टेशन में बड़ा वाटर टैंक बनाया जाएगा ताकि एक साथ आठ दमकल की गाड़ियों को रिफिल किया जा सके। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर अन्य वाहनों में भी पानी उपलब्ध कराया जा सके। यह शहर के बीचोंबीच है, लिहाजा आसपास के क्षेत्र के लिए भी यहां से आपात मदद भेजने का प्रबंध रहेगा।

सिद्ध बलि टूर के बाद पार्षद नजर आएंगे गोवा के समंदर में क्रूज पर एक साथ !

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जिस नगर निगम में अभी तक हाउस टैक्स वृद्धि का अलावा सुलग रहा था। उस नगर निगम में अब पार्षद टूर की मस्ती में हैं। पार्षदों का एक टूर पार्षदों ने अरेंज किया और बताते हैं कि सभी पार्षदों ने इस टूर को फुल एंजाय किया। निगम कार्यकारिणी के पूर्व उपाध्यक्ष और निगम पार्षद राजीव शर्मा ने इस पूरे टूर की व्यवस्था की बागडोर संभाली। निगम कार्यकारिणी उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी ने टूर के आयोजन का जिम्मा उठाया। फिर ऐसा टूर बना कि लगभग 3 दर्जन पार्षद इस टूर में गये। मंडल अध्यक्ष टूर में गये। सहकारिता वाले इस टूर में गये। सीन ये रहा कि ग्रीन झंडी भी पार्षदों के इस टूर को लोकसभा सांसद ने दिखाई। शहर विधायक भी सिद्ध बलि के दर्शन हेतु पार्षदों के साथ चले और गाजियाबाद के पार्षद जब कोटद्वार पहुंचे तो पहुंचते ही वहां के मेयर ने यहां के पार्षदों का जोरदार स्वागत किया। तंबोला हुआ, म्यूजिकल चेयर हुई और नाश्ते से लेकर लजीज लंच और डिनर हुआ। बताते हैं कि पार्षद सिद्ध बलि टूर के बाद से बेहर खुश हैं। अब गोवा टूर की योजना तैयार हो रही है। सर्दी के मौसम में पार्षदों ने उत्तराखंड में आध्यात्मिक यात्रा की है, धार्मिक यात्र की है और मंदिरों में पूजा अर्चना की है। लेकिन जब फाल्गुन का महीना आयेगा तो पार्षदों का टोला गर्मी वालों गोवा में समुद्र तट पर नजर आयेंगे। सूत्र बताते

काल्पनिक चित्र

हैं कि पूरी सहमति बन गई है और मार्च महीने में ये टूर भी पांच दिन का होगा। उत्तराखंड का टूर तो दो दिन का था जिसमें आना जाना और नाईट स्टे सब शामिल था। मगर गोवा वाला टूर पांच दिन का होगा। सबसे खास बात ये है कि पार्षद टोला इस पांच दिन के टूर में दो दिन क्रूज पर रहेगा। पार्षद इस टूर को लेकर पूरी तरह से उत्साहित हैं। वहीं एक चर्चा भाजपा के ही दूसरे में खेमे में इस बात को लेकर है कि जितना उत्साह और जोश पार्षदों ने सिद्ध बलि टूर को लेकर दिखाया है अगर उतना उत्साह और जोश वो हाउस टैक्स वाले मामले में दिखाते तो शायद निगम प्रशासन अपने फैसले को वापस लेता। यहां तो जंग भी पूर्व पार्षद राजेन्द्र त्यागी और हिमांशु मित्तल लड़ रहे हैं। अब वो पता नहीं सिद्ध बलि वाले टूर में गये नहीं या उन्हें कहा नहीं गया।

हिंडन से भरेंगे उड़ान और कौन दिखायेगा अबकी बार हरी झंडी

करंट क्राइम। सर्दी के महीने में आध्यात्म के रंग में नगर निगम रंगा दिखाई दे रहा है। गाजियाबाद के नवयुग मार्किट से सुबह सवेरे कुल्हड वाली चाय पीकर, ब्रेड पकौड़ा खाकर और गाजर का हलवा खाने के बाद सभी पार्षद अपने वाहनों में बैठे। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग ने हरी झंडी दिखाई और जय जय कार के साथ सरकार वाले उत्तराखंड को रवाना हुए। अब जब गर्मी का सीजन आयेगा तो ये माना जा रहा है कि गोवा वाली उड़ान हिंडन वाले डोमेस्टिक एयरपोर्ट से ही होगी। गोवा की उड़ान भाजपा में इसलिए भी प्रसिद्ध है क्योंकि सांसद बनने के बाद अतुल गर्ग ने यहां से गोवा की उड़ान शुरू कराई थी। ये उड़ान एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी और उपलब्धि की खुशी को साझा करने के लिए सांसद अतुल गर्ग गये थे। विधायक गये थे। लोनी विधायक नन्द किशोर गुर्जर ने तो समुद्र में स्नान को ही लक्ष्मी पूजन से जोड़ा था और नया संदेश दिया था। ये टूर भी बेहद शानदार रहा था। अब जब पार्षद गोवा के लिए उड़ान भरेंगे तो इंतजार रहेगा कि टेम्पो ट्रैवलर के बाद गोवा वाले विमान को हरी झंडी दिखाने क्या लोकसभा सांसद आयेंगे।

संपादकीय

वैश्विक शांति और संप्रभुता के लिए खतरा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर महत्वकांक्षा दुनिया की शांति के लिए खतरा बन गई है। वेनेजुएला की तरह ग्रीनलैंड के रेयर अर्थ पर भी ट्रंप की नजर है। इससे अंतरराष्ट्रीय कानून और देशों की संप्रभुता पर सवाल उठ रहे हैं। दुनियाभर में दर्जनों संघर्ष रुकवाने के सैकड़ों दावे कर चुके अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुद ही वैश्विक तनाव को भड़का रहे हैं। वेनेजुएला के बाद अमेरिका की ओर से ग्रीनलैंड को लेकर जो मेसेज आया है, वह दुनिया की शांति और स्थिरता के लिए खतरा है। इससे तो अंतरराष्ट्रीय कानून, यूएन चार्टर और देशों की संप्रभुता का कोई मतलब नहीं रह जाएगा।

कड़ी प्रतिक्रिया ट्रंप प्रशासन में डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ स्टीफन मिलर की पत्नी केटी मिलर ने एक तस्वीर पोस्ट की। जिसमें ग्रीनलैंड को अमेरिकी झंडे में दिखाया गया है। इसके साथ लिखा था जल्द। स्टीफन को ट्रंप के चहेते लोगों में गिना जाता है, जबकि केटी खुद भी ट्रंप के पहले कार्यकाल में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में रह चुकी हैं। ऐसे में उनके ट्वीट पर डेनमार्क और ग्रीनलैंड की तरफ से स्वाभाविक ही कड़ी प्रतिक्रिया आई। कानूनों का उल्लंघन किंगडम ऑफ डेनमार्क के तहत आने वाले ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप की महत्वकांक्षा पुरानी है। वह कई मौकों पर खुलेआम कह चुके हैं कि उन्हें अमेरिका की सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड चाहिए। ऐसे में केटी मिलर की तरफ से आ रहे ऐसे आपत्तिजनक मेसेज उसी का नतीजा है। रेयर अर्थ पर नजर ट्रंप पूरी दुनिया को एक कारोबारी की नजर से देख रहे हैं। उन्हें वेनेजुएला चाहिए, क्योंकि वहां तेल के भंडार है और ग्रीनलैंड चाहिए, क्योंकि वहां रेयर अर्थ का खजाना है। यही एक चीज है, जिसने अमेरिका को चीन के साथ ट्रेड वॉर में टिकने नहीं दिया। पिछले साल जब ट्रंप ने टैरिफ बढ़ाया, तो चीन ने जवाब में रेयर अर्थ मिनरल्स की सप्लाई रोक दी थी। थक हारकर अमेरिका को वार्ता की मेज पर आना पड़ा आज दुनिया की जरूरत का 90% रेयर अर्थ चीन से आता है और अमेरिका की टेक-ऑटो-डिफेंस इंडस्ट्री इसकी मोहताज है। दोस्तों को नुकसान ट्रंप इसे लेकर चीन का दबदबा कम करना चाहते हैं, लेकिन चोट अपने साथियों को पहुंचा रहे हैं। दूसरी बार सत्ता संभालते ही उन्होंने पड़ोसी कनाडा को अमेरिका का एक राज्य बनाने की इच्छा जाहिर की थी। फिर यूरोप को लेकर नीतियां बदली। जिस डेनमार्क को लेकर उनका स्टाफ आक्रामकता दिखा रहा है, वह खुद नैटो का सदस्य है और अमेरिका की जिम्मेदारी है उसकी सुरक्षा करना। दांव पर साख इस तरह के मेसेज केवल बातों तक सीमित नहीं रहते, उनका गहरा कूटनीतिक असर पड़ता है। अमेरिका वह नैतिकता खोता जा रहा है, जिससे रूस को यूक्रेन में और चीन को ताइवान के विलय से रोके।

अमेरिकी टैरिफ चेतावनी से बाजार में दबाव सेंसेक्स-निफ्टी लगातार दूसरे दिन गिरे

नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को लाल निशान पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 376.28 अंक गिरकर 85,063.34 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 71.60 अंक गिरकर 26,178.70 अंक पर आ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक जैसे ब्लू-चिप शेयरों में भारी बिकवाली और भारत के खिलाफ टैरिफ में और वृद्धि करने की अमेरिका की नई चेतावनी की चिंताओं के कारण शेयर बाजार लगातार दूसरे दिन यानी मंगलावर को गिरावट के साथ बंद हुए।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 376.28 अंक या 0.44 प्रतिशत गिरकर 85,063.34 अंक पर बंद हुआ। दिन के दौरान इसमें 539.52 अंक या 0.63 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 84,900.10 पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 71.60 अंक या 0.27 प्रतिशत गिरकर 26,178.70 पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे बढ़कर 90.16 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से, टाटा समूह की रिटेल कंपनी के दिसंबर तिमाही में राजस्व वृद्धि से निवेशकों में उत्साह की कमी आने के बाद ट्रेंट के शेयरों में 8.62 प्रतिशत की गिरावट आई।

यूरोपीय बाजारों का रहा मिला-जुला हाल

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक काफी अधिक बढ़त के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। अमेरिकी बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 61.93 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

बाजार विनिमय आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने एक दिन की राहत के बाद सोमवार को 36.25 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 1,764.07 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सोमवार को सेंसेक्स 322.39 अंक या 0.38 प्रतिशत गिरकर 85,439.62 पर बंद हुआ। दिन के दौरान रिकॉर्ड ऊंचाई 26,373.20 पर पहुंचने के बाद निफ्टी उस तेजी को बरकरार नहीं रख सका और 78.25 अंक या 0.30 प्रतिशत गिरकर 26,250.30 पर समाप्त हुआ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 4.42 प्रतिशत की गिरावट

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में 4.42 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, जबकि आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, इंटरग्लोब एविएशन और एचडीएफसी बैंक भी पिछड़ने वाले शेयरों में शामिल थे। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, सन फार्मा, हिंदुस्तान यूनिलीवर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को लाभ हुआ।

ट्रंप ने टैरिफ को दोबारा बढ़ाने की धमकी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पता था कि भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद से मैं खुश नहीं था और वाशिंगटन नई दिल्ली पर बहुत जल्द टैरिफ बढ़ा सकता है। ट्रंप ने ये टिप्पणियां रविवार को फ्लोरिडा से वाशिंगटन डीसी जाते समय एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए कीं।

भारतीय सेवा क्षेत्र के वृद्धि दर में आई गिरावट

इस बीच, मंगलवार को जारी एक मासिक सर्वेक्षण के अनुसार, दिसंबर में भारत के सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर में कमी आई, क्योंकि नए काम और उत्पादन में विस्तार की दर 11 महीनों में सबसे धीमी हो गई और कंपनियों ने अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती से परहेज किया। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स नवंबर में 59.8 से गिरकर दिसंबर में 58.0 हो गया, जो जनवरी के बाद से विस्तार की सबसे धीमी दर को दशार्ता है। परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) की शब्दावली में, 50 से ऊपर का स्कोर विस्तार को दशार्ता है, जबकि 50 से नीचे का स्कोर संकुचन को दशार्ता है। सर्वेक्षण के अनुसार, कंपनियां विकास की संभावनाओं को लेकर आशावादी बनी रहीं, लेकिन समग्र भावना लगभग साढ़े तीन वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर गिर गई।

प्रस्तुति करंट क्राइम

माँ की खाली जगह के साथ

माँ के साथ जीने में
और माँ की याद के साथ जीने में
फर्क होता है
और इस फर्क से
फर्क पड़ता है

माँ परवाह करती थी
तो मुझे परवाह करने की कोई
जरूरत नहीं थी
मैं कभी भी झुँझला सकता था...
चिल्ला सकता था
बुरा-भला कुछ भी कह सकता था
कभी यह लगा ही नहीं कि माँ को कैसा लगेगा

जैसे माँ
मेरे लिए लापरवाही की आजादी थी
जैसे गुँजाइश थी कि मैं अपनी तरह जी सकूँ
जैसे एक तरकीब थी वो
मुझे बड़ा होने से बचाने की

अब माँ नहीं है तो कुछ कहने से पहले
कुछ सोचने से पहले
दूसरों के बारे में सोचना पड़ता है कि उनको कैसा लगेगा
या न सोचने की कीमत चुकानी पड़ती है
हमेशा दूसरों के हिसाब से जीने की कोशिश
जिस तरह अपने लिए खर्च नहीं होते पैसे

माँ की याद के साथ जीना
धीरे-धीरे माँ होते जाना है
कतरा-कतरा सबके रंग में रंगता
पानी हो जैसे।

हिमांशु लव
(पुत्र एवं भाजपा नेता)

रोचक तथ्यों का करंट

- पृथ्वी तक सूर्य प्रकाश का पहुंचने में 8 मिनट 18 सेकण्ड का समय लेता है।
- पृथ्वी का समुद्र तल से अधिकतम ऊँचा उठा हुआ भाग 15000 मीटर तक हो सकता है इससे अधिक नहीं। इसकी वजह पृथ्वी की गुरूत्वाकर्षण शक्ति है।
- पृथ्वी का एकमात्र उपग्रह चन्द्रमा है, जो कभी इसी का ही भाग था।
- आज से 450 करोड़ साल पहले, सूर्य मंडल में मंगल के आकार का एक ग्रह था जो कि पृथ्वी के साथ एक ही ग्रहपथ पर सूर्य की परिक्रमा करता था। मगर यह ग्रह किसी कारण धरती से टकराया और एक तो धरती मुड़ गई और दूसरा इस टक्कर के फलस्वरूप जो पृथ्वी का हिस्सा अलग हुआ उससे चाँद बन गया।
- पृथ्वी को सूर्य से ऊर्जा मिलती है और यही ऊर्जा पृथ्वी की सतह को गरम करती है।
- सूर्य की ऊर्जा का कुछ भाग पृथ्वी और समुद्र की सतह से टकराकर वायुमंडल में बदल जाता है।
- पृथ्वी आकार में पांचवां सबसे बड़ा ग्रह है।
- आकार और बनावट में पृथ्वी शुक्र की तरह है।
- पृथ्वी सौरमण्डल का एकमात्र ऐसा ग्रह है जिस पर जीवन है।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: अदाणी पावर को राहत एसईजेड से डीटीए बिजली आपूर्ति पर सीमा शुल्क नहीं

नई दिल्ली। अदाणी पावर से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाईकोर्ट का 2019 फैसला रद्द कर कहा है कि 2015 के आदेश के अनुसार एऐ से ऊळअ आपूर्ति पर सीमा शुल्क न लगाया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गुजरात हाईकोर्ट के 2019 के उस फैसले को रद्द कर दिया, जिसमें एसईजेड में स्थित और घरेलू टैरिफ क्षेत्र (डीटीए) को आपूर्ति की जाने वाली विद्युत ऊर्जा पर सीमा शुल्क लगाने के मामले में अदाणी पावर लिमिटेड को राहत देने से इनकार कर दिया गया था।

न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारी की पीठ ने गौर किया कि उच्च न्यायालय ने जुलाई 2015 में 26 जून, 2009 से 15 सितंबर, 2010 तक फर्म द्वारा अपनी एसईजेड इकाई से डीटीए में भेजी गई विद्युत ऊर्जा पर लगाए गए सीमा शुल्क को रद्द कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट नवंबर 2015 में उच्च न्यायालय के 2015 के फैसले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था। पीठ ने कहा, हमारा मानना है कि एक बार जब 2015 के फैसले में इस कर को अधिकार क्षेत्र से बाहर घोषित कर दिया गया था और इस अदालत ने हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था, तो प्रशासनिक अधिकारियों के लिए यह अनिवार्य था कि वे अपने आचरण को उस घोषणा के अनुरूप बनाएं। मामले में आगे कहा गया।

अनावश्यक मुकदमेबजी से अदालतों पर पड़ता है बोझ: अदालत

फैसले में कहा गया है, न्यायपूर्ण निर्णय सुशासन का एक अनिवार्य घटक है। बार-बार अधिसूचनाओं के माध्यम से अमान्य घोषित किए गए कर को दोहराने से अनावश्यक मुकदमेबाजी होती है, अदालतों पर बोझ पड़ता है और नागरिकों को लंबे समय तक अनिश्चितता का सामना करना पड़ता है।
शीर्ष अदालत ने कहा कि अधिकारियों को इस मामले को समाप्त मानकर चलना चाहिए था और उन्हें 2015 के फैसले का लाभ कानून में विधायी कार्रवाई द्वारा परिवर्तन होने तक बाद की सभी अवधियों में समान रूप से देना चाहिए था।
सर्वोच्च न्यायालय ने अदाणी पावर लिमिटेड और अन्य द्वारा दायर उस अपील पर अपना फैसला सुनाया, जिसमें उच्च न्यायालय के 28 जून 2019 के फैसले को चुनौती दी गई थी।

इस्पात उद्योग में कार्टेल का आरोप 56 शीर्ष अधिकारी जांच के घेरे में

नई दिल्ली। रॉयटर्स की एक खबर के मुताबिक सीसीआई की गोपनीय जांच में टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू और सेल 'प्राइस फिक्सिंग' के दोषी पाए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, व्हाट्सएप चैट से मिलीभगत के सबूत मिले हैं और 56 शीर्ष अधिकारियों सहित कंपनियों पर भारी जुमार्ने का खतरा मंडरा रहा है। भारतीय इस्पात उद्योग के लिए एक बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। देश के प्रतिस्पर्धा नियामक, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की एक गोपनीय जांच में दिग्गज कंपनियों टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील और सरकारी कंपनी सेल को 'प्राइस फिक्सिंग' यानी इस्पात की कीमतों में सांठ-गांठ करने का दोषी पाया गया है। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के अनुसार छह अक्तूबर को जारी एक गोपनीय आदेश के मुताबिक, इन कंपनियों ने प्रतिस्पर्धा विरोधी कानूनों का उल्लंघन किया है, इससे अब इन पर भारी जुमार्ने का खतरा मंडरा रहा है।

दिग्गज अधिकारियों पर भी आंच

यह मामला केवल कंपनियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसने कॉर्पोरेट जगत के शीर्ष नेतृत्व को भी कटघरे में खड़ा कर दिया है। जांच रिपोर्ट में जेएसडब्ल्यू के प्रबंध निदेशक सज्जन जिंदल, टाटा स्टील के सीईओ टीवी नरेंद्रन और सेल के चार पूर्व अध्यक्षों सहित कुल 56 शीर्ष अधिकारियों को 2015 से 2023 के बीच अलग-अलग समय पर मूल्य तय करने के लिए मिलीभगत का उत्तरदायी ठहराया गया है। जांच के दायरे में कुल 31 कंपनियां और उद्योग समूह शामिल हैं, जो इसे इस्पात उद्योग से जुड़ा अब तक का सबसे बड़ा एंटीट्रस्ट मामला बनाता है।

जांच के दौरान अधिकारियों को डिजिटल साक्ष्य भी मिले हैं। जुलाई 2025 के एक आंतरिक सीसीआई दस्तावेज के अनुसार, इस्पात निमार्ताओं के क्षेत्रीय समूहों के बीच व्हाट्सएप चैट का पता चला है, जो कीमतों में हेरफेर करने और उत्पादन में कटौती करने की ओर स्पष्ट संकेत देते हैं।

जांच की पृष्ठभूमि और व्हाट्सएप चैट का खुलासा

इस जांच की शुरूआत 2021 में हुई थी, जब कोयंबटूर कॉर्पोरेशन कॉन्ट्रैक्टर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने तमिलनाडु की एक अदालत में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि इस्पात कंपनियों ने महज छह महीने में कीमतों में 55% की वृद्धि की और कृत्रिम रूप से आपूर्ति सीमित कर दी। इसके बाद अदालत के आदेश पर सीसीआई ने जांच शुरू की।

राशिफल

मेष: बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबारी कामकाज मनोनुकूल लाभ देंगे।

वृष: नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने की प्रेरणा मिलेगी। मान-सम्मान मिलेगा। नए कारोबारी अनुबंध हो सकते हैं।

मिथुन: धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। कोर्ट-कचहरी के कामों में सफलता प्राप्त होगी।

कर्क: वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। शारीरिक हानि व कष्ट संभव है। किसी अपने ही व्यक्ति से अकारण विवाद हो सकता है।

सिंह: शत्रुता बढ़ सकती है। वाणी में नियंत्रण आवश्यक है। कुंआरों के लिए वैवाहिक प्रस्ताव आ सकता है। शारीरिक समस्या हो सकती है।

कन्या: परिवार के छोटे सदस्यों की अध्ययन संबंधी चिंता रह सकती है। दुष्टजनों से सावधान रहें। स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है।

तुला: शारीरिक कष्ट संभव है। चोट व रोग से बचें। आराम के साधनों पर खर्च होगा। लेखन व पठन-पाठन में समय व्यतीत हो सकता है। सफलता प्राप्त करेंगे।

वृश्चिक: पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद संभव है। क्लेश रहेगा। मन में दुविधा रहेगी।

धनु: दांपत्य जीवन सुखमय व्यतीत होगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। किसी भी विवाद में न पड़ें। प्रयास सफल रहेंगे। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे।

मकर: किसी भी कानूनी फेर में न पड़ें। वाणी पर संयम रखें। मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में अतिथियों का आगमन होगा।

कुंभ: बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा लाभ देगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी।

मीन: अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। हाथ तंग रहेगा। किसी व्यक्ति से व्यर्थ में विवाद हो सकता है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। भावनाओं को वश में रखें।

चुटकुले

टीचर: पप्पू, तुम्हारा फेवरेट सब्जेक्ट कौन सा है?
पप्पू: छुट्टी!
टीचर: ये सब्जेक्ट नहीं होता।
पप्पू: तो फिर सबसे ज्यादा मार्क्स उसी में क्यों मिलते हैं?

पत्नी: सुनो जी, मैं नाराज हूँ!
पति: क्यों?
पत्नी: तुमने सपना तक नहीं पूछा।
पति: पूछूँगा तो खर्चा भी आएगा!

दोस्त: भाई, आजकल बहुत बिजी रहता है।
गोलू: हाँ यार, जिंदगी अपडेट हो रही है।
दोस्त: कैसी अपडेट?
गोलू: Bug fix नहीं, नए Bug आ रहे हैं!

मरीज: डॉक्टर साहब, मुझे याददाश्त कम हो गई है।
डॉक्टर: कब से?
मरीज: कब से क्या?
डॉक्टर: ठीक है, फीस अभी दे देना—बाद में भूल जाओगे!

07 01 2026 करंट क्राइम

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं
आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम
K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी
संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

जब दाऊद से भी नहीं डरे थे कपिल..! एक टेस्ट नहीं खेलने पर हुई थी गावस्कर की आलोचना

नई दिल्ली। कपिल देव सिर्फ एक महान क्रिकेटर नहीं, बल्कि निडर शख्सियत भी थे। शारजाह में दाऊद इब्राहिम को ड्रेसिंग रूम से बाहर निकालने से लेकर एक टेस्ट से बाहर होने पर फैंस का गुस्सा झेलने तक, उनकी जिंदगी कई यादगार किस्सों से भरी रही।

उनके रिकॉर्ड्स और साहस ने उन्हें भारतीय क्रिकेट का अमर नायक बना दिया। भारतीय क्रिकेट को पहला विश्व कप दिलाने वाले महान ऑलराउंडर कपिल देव का नाम सिर्फ रिकॉर्ड्स के लिए नहीं, बल्कि उनकी निडरता और बेबाक स्वभाव के लिए भी जाना जाता है। 6 जनवरी 1959 को चंडीगढ़ में जन्मे कपिल देव आज अपना 67वां जन्मदिन मना रहे हैं।

इस खास मौके पर हम आपको उनसे जुड़ा एक ऐसा किस्सा बता रहे हैं, जिसने साबित किया कि कपिल मैदान के अंदर ही नहीं, बाहर भी उतने ही साहसी थे।

'शारजाह ड्रेसिंग रूम कांड'

यह वाकया 1987 के शारजाह टूर्नामेंट का है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला अगले दिन खेला जाना था। प्रैक्टिस के बाद भारतीय टीम ड्रेसिंग रूम में मौजूद थी, तभी मशहूर कॉमेडियन महमूद वहां एक शख्स को लेकर पहुंचे। उस व्यक्ति को दिलीप वेंगसरकर के अलावा कोई नहीं पहचान पाया। वह अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम था।

महमूद ने खिलाड़ियों से परिचय कराते हुए कहा, 'ये हमारे दोस्त हैं और यहीं बिजनेस करते हैं।' इसके बाद दाऊद ने खिलाड़ियों को ऑफर दिया, 'अगर भारत पाकिस्तान को हरा देता है तो मैं सभी खिलाड़ियों को एक-एक कार गिफ्ट करूंगा।' ड्रेसिंग रूम में सन्नाटा छा गया। खिलाड़ी एक-दूसरे का चेहरा देखने लगे। तभी प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म कर कपिल देव ड्रेसिंग रूम में दाखिल हुए।

'ये कौन है, बाहर चल' कपिल का दो टूक जवाब

कपिल देव ने हालात समझते ही पहले महमूद से कहा, 'महमूद साहब, आप जरा बाहर जाइए।' इसके बाद उन्होंने दाऊद की तरफ देखते हुए कहा, 'ये कौन है? चल बाहर चल।' कपिल का यह रुख देखकर दाऊद बिना कोई बहस किए ड्रेसिंग रूम से बाहर चला गया। यह किस्सा वर्षों तक दबा रहा, जिसे 2013 में दिलीप वेंगसरकर ने पहली बार सार्वजनिक किया।

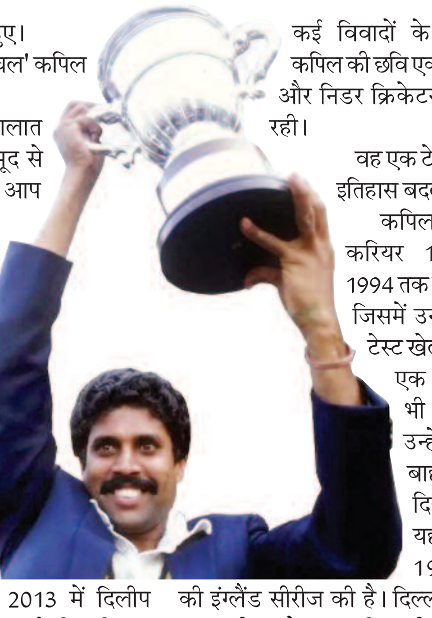

कई विवादों के बावजूद कपिल की छवि एक ईमानदार और निडर क्रिकेटर की बनी रही।

वह एक टेस्ट जिसने इतिहास बदल दिया

कपिल देव का करियर 1978 से 1994 तक फैला रहा, जिसमें उन्होंने 131 टेस्ट खेले। लेकिन एक ऐसा टेस्ट भी रहा, जब उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। यह घटना 1984-85 की इंग्लैंड सीरीज की है। दिल्ली टेस्ट में भारत की हार के बाद कपिल की आक्रामक बल्लेबाजी को जिम्मेदार ठहराया गया। दूसरी पारी में उन्होंने छह गेंदों में सात रन बनाए और छक्का मारने के प्रयास में आउट हो गए। इसके बाद उन्हें कोलकाता टेस्ट के लिए टीम से बाहर कर दिया गया।

ईडन गार्डन्स में गूंजे नारे, गावस्कर की सफाई

कपिल के बिना टीम देखकर ईडन गार्डन्स में मौजूद दर्शक भड़क उठे। स्टेडियम में नारे लगे, 'वी वांट कपिल, गावस्कर गो बैक।' दीवारों पर तक लिख दिया गया, 'नो कपिल, नो टेस्ट।' करीब तीन दशक बाद सुनील गावस्कर ने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा, 'कोई भी कप्तान अपने स्टार खिलाड़ी को बाहर करने की सलाह नहीं देगा। यह फैसला चयनकर्ताओं का था, मेरा नहीं।'

शानदार करियर और अमर विरासत

कपिल देव ने 131 टेस्ट में 5248 रन और 434 विकेट लिए। वनडे में उन्होंने 3783 रन और 253 विकेट झटके। 1983 विश्व कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ उनकी 175 रन की पारी आज भी इतिहास की सबसे महान पारियों में गिनी जाती है। उनकी जिंदगी और 1983 विश्व कप की कहानी पर बनी फिल्म ह्य83ह्ल में रणवीर सिंह ने कपिल की भूमिका निभाई थी। कपिल देव वनडे विश्व कप जीतने वाले सबसे युवा कप्तान हैं। आज भी उनके इस रिकॉर्ड को कोई नहीं तोड़ सका है। उन्होंने जब वेस्टइंडीज को फाइनल में हराकर विश्व कप जीता, तब वह 24 साल 170 दिन के थे। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग हैं। उन्होंने 28 साल से अधिक की उम्र में पहला विश्व कप जीता था। कपिल का यह रिकॉर्ड आज भी कायम है।

1994 में क्रिकेट को अलविदा कहा

कपिल देव ने 1994 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। उस समय कपिल के नाम टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट थे। उन्होंने 131 अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच में कुल 434 विकेट झटके थे। कपिल के इस रिकॉर्ड को तोड़ने में छह साल और लगे। साल 2000 में वेस्टइंडीज के कर्टनी वॉल्श ने कपिल का रिकॉर्ड तोड़ा था। वॉल्श ने 132 टेस्ट में 519 विकेट लिए। अभी भी कपिल टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वालों में शीर्ष-11 में बने हुए हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप में कौन होगा भारत का एक्स फैक्टर एबी डिविलियर्स की लिस्ट में बुमराह-अभिषेक नहीं

एबी डिविलियर्स के मुताबिक, आगामी टी20 विश्व कप में हार्दिक पांड्या टीम इंडिया के सबसे निर्णायक खिलाड़ी हो सकते हैं। उनकी ऑलराउंड क्षमता, दबाव में प्रदर्शन और हालिया शानदार फॉर्म उन्हें भारत के लिए 'गेम चेंजर' बनाती है।

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के महान बल्लेबाज और पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने आगामी टी20 विश्व कप को लेकर टीम इंडिया को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा है कि इस टूर्नामेंट में हार्दिक पांड्या भारत के सबसे अहम और निर्णायक खिलाड़ी साबित हो सकते हैं, न कि जसप्रीत बुमराह या अभिषेक शर्मा।

टीम इंडिया की गहराई ने किया प्रभावित: अपने यूट्यूब चैनल 'एबी डिविलियर्स 360' पर टी20 विश्व कप की भारतीय टीम का विश्लेषण करते हुए डिविलियर्स ने कहा कि भारतीय टीम के पास बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में शानदार संतुलन है। उन्होंने कहा, 'इस टीम में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो बल्ले और गेंद दोनों से योगदान दे सकते हैं, जिससे कप्तान को टीम कॉम्बिनेशन में काफी लचीलापन मिलता है।' डिविलियर्स ने ओपनिंग संयोजन पर भी बात की और अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि ऋषभ पंत, शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और जितेश शर्मा जैसे खिलाड़ी इस बार टीम में जगह नहीं बना पाए।

हार्दिक क्यों हैं गेम चेंजर?

एबी डिविलियर्स ने हार्दिक पांड्या को टीम इंडिया का निर्णायक खिलाड़ी बताते हुए कहा, 'हार्दिक वह खिलाड़ी हैं जो बल्ले और गेंद, दोनों से मैच जिता सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब हार्दिक बल्लेबाजी के लिए आते हैं तो विपक्षी टीम पर मानसिक दबाव साफ दिखता है। उन्होंने कहा, 'जब हार्दिक क्रीज पर आते हैं, तो विरोधी टीम को लगता है कि अगर वह तीन-चार ओवर भी टिक गए, तो मैच हाथ से निकल सकता है।'

गेंद से भी उतना ही खतरनाक असर: डिविलियर्स ने यह भी कहा कि हार्दिक गेंद के साथ भी उतने ही प्रभावी हैं। उन्होंने कहा, 'जब वह गेंदबाजी के लिए आते हैं, तो ऐसा लगता है कि उनके पास गोल्डन आर्म है और वह कभी भी साझेदारी तोड़ सकते हैं।' हार्दिक पांड्या का हालिया प्रदर्शन भी उनके इस बयान को मजबूती देता है। विजय हजारे ट्रॉफी में उन्होंने 133 रनों की तूफानी पारी खेलते हुए अपना पहला लिस्ट-ए शतक लगाया, जिसमें 11 छक्के शामिल थे।

इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में उन्होंने तीन पारियों में 142 रन बनाए, वो भी 186 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से।

'सिराज बदकिस्मती का शिकार हुए': डिविलियर्स ने यह भी कहा है कि मोहम्मद सिराज उन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो बदकिस्मती से टीम में जगह नहीं बना सके। डिविलियर्स ने हालांकि यह भी साफ किया कि गेंदबाजी के लिहाज से भारत की टीम में सभी पहलुओं को कवर किया गया है।

आईपीएल से बाहर किए गए मुस्तफिजुर रहमान को एक और बड़ा झटका! कोई मुआवजा मिलने की संभावना नहीं

कोलकाता। आईपीएल से बाहर किए जाने के बाद बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को एक और बड़ा झटका लगा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें टूर्नामेंट से हटाए जाने के बदले किसी भी तरह के मुआवजे की संभावना बेहद कम है।

बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के साथ अपने अनुबंध को समाप्त करने में कोई भूमिका नहीं होने के बावजूद किसी भी प्रकार का वित्तीय मुआवजा मिलने की संभावना नहीं है।

बीसीसीआई के निर्देश पर हुए थे बाहर

केकेआर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के निर्देशों पर उन्हें टीम से बाहर कर दिया था। मुस्तफिजुर को आईपीएल नीलामी में केकेआर ने 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। उन्हें बांग्लादेश में हिंदुओं पर हाल ही में हुए अत्याचारों के मद्देनजर टीम से बाहर किया गया। यह एक ऐसा घटनाक्रम रहा जिसने भारतीय बोर्ड को हस्तक्षेप करने के लिए प्रेरित किया।

'आमतौर पर फ्रेंचाइजी भुगतान करती है'

आईपीएल से जुड़े एक जानकार सूत्र ने गोपनीयता की शर्त पर न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया, 'आईपीएल के सभी खिलाड़ियों का वेतन बीमाकृत होता है। विदेशी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के मामले में अगर वे शिविर में शामिल होने के बाद या टूर्नामेंट के दौरान घायल हो जाते हैं तो आमतौर पर फ्रेंचाइजी भुगतान करती है।'

'बीमा से 50 प्रतिशत तक का भुगतान'

उन्होंने कहा, 'आम तौर पर 50 प्रतिशत तक का भुगतान बीमा से किया जाता है। यह भारत के उन केंद्रीय अनुबंधित क्रिकेटरों के लिए बेहतर है जो चोटिल हो जाते हैं क्योंकि आमतौर पर उनका भुगतान बीसीसीआई करता है।'

हालांकि, मुस्तफिजुर का मामला बीमा के सामान्य नियमों के अंतर्गत नहीं आता है। उन्हें चोट या लीग में भाग लेने से जुड़े क्रिकेट संबंधी किसी कारण से टीम से नहीं निकाला गया, इसलिए केकेआर उन्हें किसी भी तरह की मुआवजा राशि का भुगतान करने के लिए बाध्य नहीं है।

'जो कुछ हुआ वह बीमा के दायरे में नहीं आता': सूत्र ने कहा, 'वर्तमान स्थिति में जो कुछ हुआ वह बीमा के दायरे में नहीं आता है और इसलिए केकेआर पर एक पैसा भी भुगतान करने का कोई आधिकारिक दायित्व नहीं है।' सूत्र ने बताया, 'मुस्तफिजुर के पास किसी तरह के अधिक विकल्प नहीं है। विशेषकर आईपीएल भारतीय कानून के दायरे में आता है। कोई भी विदेशी क्रिकेटर कानूनी कार्रवाई करने की स्थिति से नहीं गुजरना चाहेगा या खेल पंचाट (सीएएस) का सहारा नहीं लेना चाहेगा।'

'कानूनी कार्रवाई का जोखिम क्यों उठाना चाहेगा': सूत्र ने इस संबंध में भू राजनीतिक संदर्भ का भी जिक्र किया जिसे देखते हुए खिलाड़ी किसी तरह का जोखिम नहीं लेने की कोशिश करेगा।

उन्होंने कहा, 'भारत-बांग्लादेश का राजनीतिक परिदृश्य भारत-पाकिस्तान के मुकाबले कहीं अधिक अस्थिर है।

बीसीबी अपनी जिद्द पर अड़ा

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने इस पर कड़ा रवैया अपनाते हुए भारत में होने वाले अपने टी20 विश्व कप के मैचों को श्रीलंका में स्थानांतरित करने की मांग की है। बीसीसीआई के इस कदम ने इस खिलाड़ी के अधिकारों को लेकर बहस छेड़ दी है, खासकर इसलिए क्योंकि उन्होंने न तो स्वेच्छा से प्रतियोगिता से नाम वापस लिया और न ही उन पर किसी गलत काम का आरोप लगाया गया है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि मौजूदा बीमा ढांचे में मुआवजे के लिए बहुत कम गुंजाइश है।

स्टोक्स और लाबुशेन के बीच क्यों हुई थी बहस? अब सामने आया पूरा सच

सिडनी। सिडनी टेस्ट में बेन स्टोक्स और मार्नस लाबुशेन के बीच हुई तीखी बहस पर स्टुअर्ट ब्रॉड ने खुलासा किया है। ब्रॉड के मुताबिक, लाबुशेन की बातचीत ने उन्हें उनकी लय से बाहर किया और यही इंग्लैंड की रणनीति थी। इसका नतीजा यह रहा कि स्टोक्स ने खुद लाबुशेन को आउट कर दिया।

एशेज 2025-26 के पांचवें और अंतिम टेस्ट के दौरान सिडनी क्रिकेट ग्राउंड (रउ‍ऋ) पर बेन स्टोक्स और मार्नस लाबुशेन के बीच हुई तीखी बहस ने क्रिकेट फैंस का खूब ध्यान खींचा। अब इस पूरे घटनाक्रम पर इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड ने चुप्पी तोड़ी है और बताया है कि मैदान पर दोनों खिलाड़ियों के बीच आखिर क्या कहा गया था।

दूसरे दिन के तीसरे सत्र में बढ़ा तनाव: यह घटना टेस्ट के दूसरे दिन के तीसरे और आखिरी सत्र में घटी, जब लाबुशेन ट्रेविस हेड के साथ अच्छी साझेदारी निभा रहे थे। स्टोक्स और लाबुशेन के बीच कुछ तीखी नोकझोंक हुई, जो इतनी बढ़ गई कि कमेंट्री कर रहे मार्क वॉ ने कहा, 'मुझे लगा कि स्टोक्स उन्हें हेडलॉक में ले लेंगे।' हालांकि, बाद में स्टोक्स ने लाबुशेन के कंधे पर हाथ रखकर मामले को शांत किया।

स्टोक्स को मिला आखिरी फायदा

इस बहस का अंत स्टोक्स के पक्ष में हुआ। इंग्लैंड कप्तान ने खुद गेंदबाजी करते हुए लाबुशेन को 48 रन पर आउट कर दिया। विकेट गिरने के बाद स्टोक्स का 'डेथ स्टेयर' कैमरे में कैद हुआ, हालांकि उन्होंने ज्यादा कुछ कहा नहीं, क्योंकि वह जानते थे कि काम हो चुका है।

ब्रॉड ने बताया क्या हुआ मैदान पर

तीसरे दिन की शुरूआत से पहले स्टुअर्ट ब्रॉड ने बेन स्टोक्स से बातचीत की और 73ड्ढ्र13 पर पूरे वाकये का खुलासा किया। ब्रॉड ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो यह मार्नस लाबुशेन की गलती थी कि उन्होंने बेन स्टोक्स जैसे महान प्रतिस्पर्धी को उकसाया, वो भी तब जब स्टोक्स के हाथ में गेंद थी।' ब्रॉड ने बताया, 'मुझे लगता है कि यह थोड़ा डिले करने की कोशिश थी। लाबुशेन काफी बातें कर रहे थे, खासकर अपने पार्टनर ट्रेविस हेड से।'

ब्रॉड ने बातचीत के असली शब्दों का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा, 'मैं आज सुबह स्टोक्स से बात कर चुका हूं और यह कहकर मैं किसी का भरोसा नहीं तोड़ रहा। लाबुशेन कह रहे थे- ये लेग साइड जा रही है, या ये चार रन हैं। इस पर स्टोक्स ने कहा- मैदान पर दो अंपायर हैं, हमें तीसरे की जरूरत नहीं।'

इंग्लैंड की रणनीति हुई सफल

ब्रॉड के मुताबिक, यह सब इंग्लैंड की रणनीति का हिस्सा था। उन्होंने कहा, 'इससे लाबुशेन अपनी लय और रूटीन से बाहर आ गए। अगली ही गेंद पर स्टोक्स ने थोड़ी बाहर जाती गेंद डाली, लाबुशेन ड्राइव खेलने गए और आउट हो गए।'

'लाबुशेन की खराब रणनीति'

ब्रॉड ने लाबुशेन की आलोचना करते हुए कहा, 'यह इंग्लैंड के लिए काम कर गया, लेकिन मुझे लगा कि लाबुशेन की तरफ से यह खराब खेल था, क्योंकि वह इस सीरीज में सबसे बेहतर बल्लेबाजी कर रहे थे।'

भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ब्रिटिश ओपन के फाइनल में, अब फ्रांस की लॉरेन से सामना

बर्मिंघम। भारत की स्टार स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ब्रिटिश जूनियर स्क्वाश टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में प्रवेश कर लिया है।

शीर्ष वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में मिस्र की मलिका अल कराक्सी को आसानी से पराजित करके प्रतिष्ठित ब्रिटिश जूनियर ओपन स्क्वाश में महिला एकल के अंडर-19 वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। अब तक 12 पीएसए टूर खिताब जीतने वाली 17 वर्षीय खिलाड़ी अनाहत ने बर्मिंघम विश्वविद्यालय में मलिका पर सिर्फ 28 मिनट में 11-8, 11-7, 11-9 से जीत हासिल की।

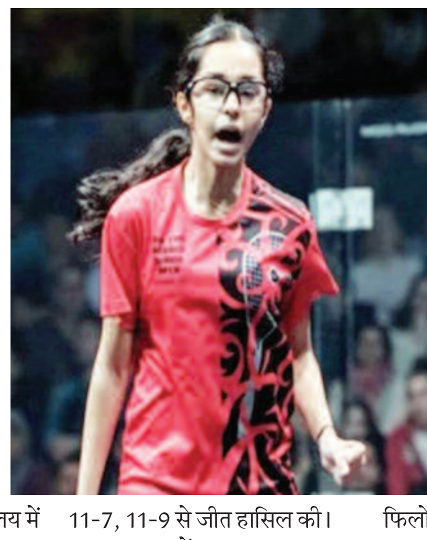

फाइनल में अनाहत का सामना यूरोपीय जूनियर चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त फ्रांस की लॉरेन बाल्टायन से होगा। अनाहत ब्रिटिश जूनियर ओपन में सभी आयु वर्गों में नौवीं बार फाइनल में पहुंची है और उनका लक्ष्य 2005 में जोशना चिनप्पा के बाद इस प्रतियोगिता में अंडर19 खिताब जीतने वाली दूसरी भारतीय खिलाड़ी बनना है।

इस बीच लड़कों के अंडर-17 वर्ग में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी आर्यवीर दीवान सेमीफाइनल में मिस्र के फिलोपेटर सालेह से 9-11, 5-11, 7-11 से हार गए।

ऑस्ट्रेलियन ओपन की पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी

महिला-पुरुष एकल विजेताओं को मिलेगा इतना ईनाम

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियन ओपन के आयोजकों ने वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम की पुरस्कार राशि में बढ़ोतरी की घोषणा की है। आइए जानते हैं इस बार पुरुष और महिला एकल विजेताओं सहित मुख्य ड्रॉ में प्रवेश करने वाले खिलाड़ियों को कितना ईनाम मिलेगा।

वर्ष के पहले ग्रैंडस्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट की पुरस्कार राशि में पिछले साल की तुलना में 16 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है। 18 जनवरी से शुरू होने वाली इस प्रतियोगिता में यह रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। ऑस्ट्रेलियन ओपन के आयोजकों ने मंगलवार को स्थानीय मुद्रा में अब तक की सबसे बड़ी पुरस्कार राशि की घोषणा की, जो 2026 के लिए 111.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (75 मिलियन अमेरिकी डॉलर) निर्धारित की गई है।

मुख्य ड्रॉ में पहुंचने वाले खिलाड़ियों की राशि में 10 फीसदी का इजाफा

यह 2025 में 96.5 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर की पुरस्कार राशि से 16 प्रतिशत अधिक है। महिला और पुरुष एकल वर्ग में चैंपियन रहने वाले खिलाड़ियों को 41.5 लाख ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (2.8 मिलियन डॉलर) मिलेंगे, जो पिछले वर्ष की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। क्वालिफाइंग टूर्नामेंट के लिए पुरस्कार राशि में 16 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। इसके साथ ही आयोजकों का कहना है कि मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने वाले सभी एकल और युगल खिलाड़ियों को न्यूनतम 10 प्रतिशत बढ़ी हुई पुरस्कार राशि मिलेगी।

ट े ि न ा स ा ऑस्ट्रेलिया के सीईओ क्रैग टिले ने कहा, यह 16% की वृद्धि हर स्तर पर टेनिस करियर को समर्थन देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है। 2023 से क्वालिफाइंग पुरस्कार राशि में 55% की वृद्धि से लेकर खिलाड़ियों के लाभों को बढ़ाने तक, हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पेशेवर टेनिस सभी प्रतियोगियों के लिए टिकाऊ बना रहे।

लक्ष्य सेन मलयेशिया ओपन के दूसरे दौर में

मालविका बाहर; कड़े संघर्ष के बाद हारीं वीनस विलियम्स

नई दिल्ली। मलयेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली, जबकि मालविका बंसोड़ पहले दौर में ही बाहर हो गईं। वहीं टेनिस कोर्ट पर अनुभवी खिलाड़ी वीनस विलियम्स ने कड़ा मुकाबला दिया, लेकिन अंततः उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

भारत के स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बावजूद मंगलवार को यहां सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह को तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में पराजित करके मलेशिया ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाकर नए सत्र की शानदार शुरूआत की।

पिछले सत्र के आखिर में ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीतने वाले 24 वर्षीय सेन ने मलेशिया ओपन में विश्व रैंकिंग में 21वें नंबर के खिलाड़ी तेह को 70 मिनट में 21-16 15-21 21-14 से हराया।

विश्व चैंपियनशिप 2021 के कांस्य पदक विजेता और वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 13वें स्थान पर काबिज सेन का अगला मुकाबला फ्रांस के छठी वरीयता प्राप्त क्रिस्टो पोपोव या हांगकांग के ली चेउक यिउ के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

बाएं घुटने की चोट के कारण छह महीने के अंतराल के बाद वापसी करने वाली मालविका बंसोड़ को महिला एकल में हालांकि पहले दौर में थाईलैंड की सातवीं वरीयता प्राप्त और पूर्व विश्व चैंपियन रत्चनोक इंतानोन से 11-21 11-21 से हार का सामना करना पड़ा।

वीनस विलियम्स को मिली हार

वीनस विलियम्स ने 45 साल की उम्र में भी अपने जुझारूपन का शानदार नमूना पेश किया, लेकिन आखिर में वह मंगलवार को यहां ऑकलैंड ओपन डब्ल्यूटीए टूर टेनिस टूर्नामेंट में पांचवीं वरीयता प्राप्त मैग्डा लिनेट से हार गईं।

वर्ष 2026 में अपना पहला एकल मैच खेल रही वीनस ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन अंत में उन्हें 52वीं रैंकिंग की खिलाड़ी लिनेट से 6-4, 4-6, 6-2 से हार का सामना करना पड़ा। लिनेट उस समय केवल दो साल की थीं जब वीनस ने पेशेवर टूर पर अपना पहला एकल मैच खेला था।

मंगलवार का मैच डब्ल्यूटीए टूर पर एकल वर्ग में विलियम्स का 1101वां मैच था। उन्होंने अपने से 12 साल छोटी खिलाड़ी के सामने जिस तरह की चुनौती पेश की उससे उनका होबार्ट इंटरनेशनल और ऑस्ट्रेलियाई ओपन में खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया जाने से पहले आत्मविश्वास बढ़ेगा।

सात बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन वीनस को ऑकलैंड ओपन के अलावा 12 जनवरी से होबार्ट में होने वाले टूर्नामेंट तथा साल के पहले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट ऑस्ट्रेलियाई ओपन के लिए वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिला है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन 18 जनवरी से शुरू होगा। ऑकलैंड में खेला गया यह मैच वीनस का पिछले साल अगस्त में अमेरकी ओपन के पहले दौर में कैरोलिना मुचोवा से 6-3, 2-6, 5-1 से हारने के बाद पहला एकल मैच था।

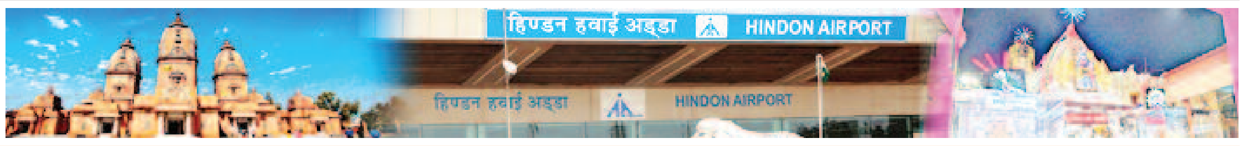

जीडीए का बड़ा कदमः मधुबन-बापूधाम के किसानों का दो दशक पुराना इंतजार खत्म, बांटे आवंटन पत्र

विशेष शिविर लगाकर सैकड़ों कृषकों को सौंपी गई उनकी जमीन की मिल्कियत

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने मधुबन-बापूधाम आवासीय योजना के प्रभावित किसानों को उनके विकसित भूखंडों के आवंटन पत्र सौंपकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की। प्राधिकरण कार्यालय में आयोजित एक विशेष शिविर के दौरान बड़ी संख्या में कृषकों को उनके भूखंडों की विशिष्ट संख्या (प्लॉट नंबर) वाले आधिकारिक पत्र प्रदान किए गए।

> 'प्राधिकरण कृषकों के हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मधुबन-बापूधाम योजना में किए गए सभी वायदों को हम चरणबद्ध तरीके से पूरा कर रहे हैं।'
> – नंदकिशोर कलाल, उपाध्यक्ष, जीडीए

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004 में मधुबन-बापूधाम योजना के लिए जीडीए ने किसानों से लगभग 800 एकड़ जमीन का अधिग्रहण किया था। उस समय किसानों से वादा किया गया था कि मुआवजे के साथ-साथ उन्हें 6/4 प्रतिशत विकसित भूखंड भी दिए जाएंगे। लंबे समय से लंबित इस मांग को पूरा करते हुए प्राधिकरण ने बीते 27 और 28 नवंबर 2025 को हिंदी भवन में लॉटरी के माध्यम से 762 भूखंडों का पारदर्शी आवंटन किया था।

शिविर में हुआ समस्याओं का समाधान : इस विशेष शिविर का मुख्य उद्देश्य किसानों को उनके आवंटित भूखंडों के भौतिक दस्तावेज सौंपना था। इस दौरान जीडीए के आला अधिकारियों ने किसानों से सीधा संवाद किया और उनकी तकनीकी समस्याओं को मौके पर ही निस्तारण किया।

अनुपस्थित किसानों के लिए विकल्प : जीडीए ने स्पष्ट किया है कि जो किसान आज किसी कारणवश शिविर में नहीं पहुंच सके, उन्हें घबराने की आवश्यकता नहीं है। वे किसी भी कार्यदिवस में जीडीए कार्यालय जाकर अपना पत्र प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें अपने साथ भूखंड आरक्षण पत्र और एक वैध पहचान पत्र की प्रति लाना अनिवार्य होगा। इस सफल आयोजन से क्षेत्र के किसानों में खुशी की लहर है, क्योंकि लगभग 21 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद उन्हें अपनी जमीन का वास्तविक अधिकार प्राप्त हुआ है।

उमंग में थे सारे निगम के फूल और राजेन्द्र त्यागी की नसीहत को गये भूल

शुरू के साल तो इसी इंतजार में बीत गये कि जैसे पहले वाले मेयर पार्षदों को टूर पर ले जाते थे, वैसे ये वाली मेयर भी लेकर जायेंगी। कभी पार्षदों को लगता था कि इंदौर का टूर लगेगा। तो कभी पार्षदों को लगता था कि गुजरात जा सकते हैं। मगर जब गाजियाबाद की धरती से आगे कुछ हो ही नहीं रहा था तो ऐसे मे राजनगर वाले चौधरी साहब ने प्रपोजल रख दिया। शहीद पथ वाले शर्मा जी ने पूरा टूर प्लान बनाकर दिया। बताते हैं कि टूर से पहले चौधरी साहब को कोर्ट में केस लड़ रहे त्यागी जी ने एडवाईज दी थी कि देखा जब मंदिर में बैठो या नदी किनारे बैठो तो आपस में टैक्स की बात जरूर करना। टूर पर गये फूल वाले ने ही बताया कि हम वहां भगवान के चरणों में माथा टेकते या वहां भी टैक्स की बात करते। हम वहां तंबोला खेलने गये थे या टैक्स का रोला करने गये थे। यहां पर बताने वाले ने एक बात फ्लैशबैक से निकाल कर बता दी। कहा भाई साहब आप चुनाव को भूल गये क्योंकि चुनाव में तो त्यागी जी झोला डंडा लेकर शर्मा जी के साथ थे। ऐसे में चौधरी साहब उनकी एडवाईज कैसे मान सकते थे।

बोला वो भाजपाई क्या गणतंत्र दिवस पर बंटेगी उसी हलवाई की मिठाई

वैसे तो पूरा जगत इस बात को जानता है कि जिनके डिब्बे में फंफूदी मिली थी उनकी तस्वीर पर माला चढ़ गई। लड्डू का ऐसा चक्र घूमा कि उनकी तेरहवी के लड्डू बंट गये। उधर जो इन लड्डुओं को उछाल रहे थे उन्हें भी सुना है कि नोटिस मिला और फिर वो भी साईलेंट हो गये। लेकिन ये निगम वाले हैं और कोई मौका चूकते नहीं है। जनवरी का महीना है और जिक्र जब फ्लावर भाजपाईयों में चला तो यहां निगम वाले भाजपाई ने ही पूछ लिया कि देखो बाकी सब तो ठीक है लेकिन मिठाई का ध्यान रखना। इसके बाद उन्होंने हलवाई का नाम नहीं लिया लेकिन ये जरूर कह दिया कि अगर उसी वाले हलवाई की मिठाई बंटेगी तो सब ध्यान रखना। इस बार डिब्बे पर एक्सपाईरी डेट होगी।

मुझे सबसे ज्यादा खतरा ही अपने वार्ड में अपने ही दल वालों से है

जिक्र फूल वालों में चला तो ये पता चला कि यहां लहर और मेहनत के बीच जंग चल रही है। पार्टी ने जिन्हें हारने के लिए टिकट दिया था वो भी जीत कर आ गये। अब जो जीते हैं वो तर्क दे रहे हैं कि अगर ऐसी ही लहर थी तो फालना क्यों हार गया। हम अपनी मेहनत के दम पर जीते हैं। जो हार गये हैं वो भीतरघात को दोष दे रहे हैं। जिन्होंने अपने ही वार्ड में भाजपा को हराया वो भी जीतने के बाद वरिष्ठ भाजपाई होकर आ गये। कहीं कहीं लहर का कहर ऐसा है कि खुद फूल वाले अपने शब्दों में उसे बताते हैं। अब जब अगले साल चुनाव दस्तक दे देगा तो अभी से मौहल्ला प्रधानों के सामने पहली चुनौती टिकट को सेव करने की है और दूसरी चुनौती जनादेश प्राप्त करने की है। फ्लावर वाले प्रधान ने ही कहा कि मुझे हाथ, साइकिल, हाथी से कोई दिक्कत नहीं है। मेरी तो सबसे बड़ी दिक्कत ही ये फूल वाले हैं। मेरे काम में कमी पूरी शिद्दत से यहीं तो तलाश रहे हैं। मेरा टिकट कटवाने के लिए कांग्रेस, बसपा, सपा वाले थोड़ी जोर लगायेंगे। पहले तो टिकट कटवाने के लिए ये केसरिया जोर लगायेंगे और बाद में हराने के लिए भी ताकत लगायेंगे।

नगर आयुक्त ने सफाई मित्रों को कंबल व पीपीई किट वितरित कर किया सम्मानित

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर अकबरपुर बहरामपुर ट्रांसफर स्टेशन पर सफाई मित्रों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जेएस एनवायरो प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से लगभग 150 सफाई मित्रों को पीपीई किट व अन्य को कंबल वितरित किए गए।

नगर आयुक्त ने कहा कि शहर की स्वच्छता के साथ-साथ सफाई मित्रों की सुरक्षा और स्वास्थ्य नगर निगम की जिम्मेदारी है। उन्होंने सफाई मित्रों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके साथ संवाद किया और 600 से अधिक सफाई मित्रों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस दौरान सफाई मित्रों के लिए निशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु डिस्पेंसरी शुरू करने के निर्देश भी दिए गए। कार्यक्रम के अंत में नगर आयुक्त ने सफाई मित्रों के साथ सहभोज कर उन्हें नगर निगम की आधारशिला बताते हुए सम्मानित किया गया।

गौर सिटी में श्री राम शरणम के साधकों ने श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया माता जी का जन्मदिन

गाजियाबाद करंट क्राइम। गौर सिटी में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री राम शरणम के साधकों द्वारा माता जी का जन्मदिन अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में साधक उपस्थित रहे और सभी ने मिलकर इस आयोजन को यादगार बनाया।

कार्यक्रम में हंसराज नरूला, विजय नरूला, रश्मि, ऋषभ, अंशुल, कौशल पवैया, जे. एस. तोमर, राम किशन अग्रवाल, हेमेन्द्र कुमार अग्रवाल, भारत भूषण, जितेंद्र त्यागी, कोकिला मित्तल, रेणु सूद, ललिता सिंह, शकुंतला मित्तल, विनीता मेहरोत्रा, प्रेम प्रकाश लूथरा, कुसुम चोपड़ा, अनूप चोपड़ा, रितेश गुप्ता, इति अग्रवाल, सुमन वर्मा, मूल चंद बंसल, अरविंद केसरी, जतिन सहित अनेक साधक उपस्थित रहे।

सभी साधकों ने माता जी का गौर सिटी आगमन हेतु हृदय से धन्यवाद किया तथा भविष्य में समय-समय पर यहां आयोजित होने वाले साप्ताहिक सत्संग में पधारने का निवेदन किया। इस अवसर पर साधकों द्वारा माता जी का माला, शाल व चादर पहनाकर तथा पुष्प अर्पित कर भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। सभी ने उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

लेखपाल ने महिला फरियादी से की दरिंदगी

मोदीनगर करंट क्राइम। पति की मृत्यु के बाद वारिस प्रमाण पत्र बनवाने के लिए तहसील पहुंची एक महिला ने लेखपाल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। महिला का कहना है कि प्रमाण पत्र बनवाने के नाम पर एक लेखपाल ने उससे चार बार दुष्कर्म किया। साथ ही उसने दावा किया है कि यह घटना तहसील स्थित कार्यालय में ही हुई। महिला ने इस मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक से की है। पुलिस ने मामले में जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। दो माह से परेशान, काम अटका महिला के अनुसार, उसने वारिस प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया था। तहसील के एक लेखपाल ने न केवल उसका काम रोका, बल्कि प्रमाण पत्र बनाने के एवज में उससे अनुचित मांगें भी कीं।

नगर आयुक्त ने की जनसुनवाई संभव के तहत 33 संदर्भ प्राप्त

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने निगम अधिकारियों के साथ संभव जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत नागरिकों की समस्याएं सुनीं।

इस दौरान कुल 33 संदर्भ प्राप्त हुए, जिनमें निर्माण विभाग से 7, उद्यान से 9, जलकल से 5, स्वास्थ्य से 6, प्रकाश से 2, पार्किंग से 2 और सामान्य विभाग से 2 संदर्भ शामिल रहे। नगर आयुक्त ने सभी संदर्भों पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

उद्यान विभाग से अधिक शिकायतें मिलने पर वरिष्ठ अधिकारियों को मॉनिटरिंग बढ़ाने और स्थलीय निरीक्षण कर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में निगम के वरिष्ठ अधिकारी एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कड़कड़ाती ठंड में 'रोशनी' बनकर आए डॉ. पी कुमार, सैकड़ों जरूरतमंदों को बांटे कंबल

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। रोशनी परमार्थ संस्था ने चलाया राहत अभियान, चेयरमैन डॉ. पी कुमार ने खुद संभाली कमान बढ़ती ठंड और शीतलहर के प्रकोप को देखते हुए 'रोशनी परमार्थ संस्था' ने मानवता की सेवा के संकल्प को दोहराया है। संस्था के चेयरमैन डॉ. पी कुमार के नेतृत्व में आज एक विशेष राहत शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों गरीब और बेसहारा लोगों को कंबल वितरित किए गए।

सैकड़ों लोगों को राहत : शहर के विभिन्न इलाकों में फुटपाथ और खुले आसमान के नीचे रात गुजारने वालों को गर्म कंबल प्रदान किए गए।

डॉ. पी कुमार का संदेश : वितरण के दौरान डॉ. कुमार ने कहा, नर सेवा ही नारायण सेवा है। इस भीषण ठंड में किसी जरूरतमंद की मदद करना हमारी संस्था का प्राथमिक कर्तव्य है।

संस्था का संकल्प : रोशनी परमार्थ संस्था केवल कंबल ही नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी लगातार सक्रिय भूमिका निभा रही है।

भावुक हुए लाभार्थी : कंबल पाकर कई बुजुर्गों की आंखें नम हो गईं। लाभार्थियों का कहना था कि इस कड़ाके की ठंड में उनके पास ओढ़ने के लिए पर्याप्त साधन नहीं थे, ऐसे में डॉ. कुमार और उनकी टीम उनके लिए मसीहा बनकर सामने आई है। ्हमारा उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुँचाना है। जब तक ठंड का प्रकोप रहेगा, हमारी संस्था का यह सेवा अभियान निरंतर जारी रहेगा।

जल्द एक ही परिसर में बैठेंगे नंबर दो वाले साहब

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में लगातार कार्यालयों और निर्माण वाला काम चल रहा है। तो वही पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम में लखनऊ से आने वाली लिस्ट का भी वेट हो रहा हैं। बताया जा रहा है कि इस लिस्ट में तीन आईपीएस गाजियाबाद के भी शामिल हो सकते हैं, पर इन सबके बीच जानकारी मिल रही है कि पुलिस मुख्यालय पर जो निर्माण वाला कार्य चल रहा था, वह बहुत तेज गति से आगे बढ़वाया जा रहा है। अब सुनने में आ रहा है कि कमिश्नरेट वाले सिस्टम में नंबर दो की पोजीशन वाले दोनों अधिकारी अब साहब के दाएं और बाएं वाले ऑफिस में बैठेंगे। सूत्रों ने बताया है कि दो मंजिला ऑफिस बनकर तैयार हो रहा है, उसकी फिनिशिंग का काम अंतिम दौर में चल रहा है। तो फर्नीचर से लेकर अन्य व्यवस्थाओं पर काम शुरू कर दिया गया है।

पहले से मुख्यालय वाले साहब यहां बैठ रहे थे, अब ट्रैफिक वाले साहब भी इसी परिसर में बैठेंगे यानी कमिश्नर के दाएं और बायं नंबर दो की पोजीशन वाले दोनों अधिकारी मौजूद रहेंगे। कहा जा रहा है कि जिस तरीके से मुख्यालय वाले साहब जनसुनवाई की कमान संभाले हुए थे और अन्य मैनेजमेंट को संभाल रहे थे, अब उसपर और ध्यान दिया जाएगा। इन सबके बीच लखनऊ से भी एक चर्चा सुनाई दे रही है कि कई कमिश्नरेट सिस्टम में बड़े बदलाव देखे जा सकते हैं। मुख्य फेस बदले जा सकते हैं और रेस वाले साइलेंट बने हुए हैं। सूत्रों द्वारा कहा जा रहा है कि पश्चिम के दो कमिश्नरेट पर इन दिनों आईजी और एडीजी स्तर के अधिकारियों की भी नजरें जमी हुई हैं। देखना होगा किस पर कृपा होगी और कौन इधर-उधर किया जाएगा। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में लाइन का गेट फाइन कर दिया गया है, जिस गेट से कभी केवल एक मूवमेंट रहता था उसे जल्द शुरू करने की भी बात सुनाई दे रही है। उधर कमिश्नरेट वाले सूत्र बता रहे हैं कि इस बार लाइन में होने वाली परेड के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है। सिपाहियों की टोली बनाने से लेकर महिला ब्रिगेड और बाइक चलाने वाले गुड लुकिंग टू-स्टारों की तलाश की जा रही है। तो पहली पंक्ति महिला राइडर्स की भी नजर आ सकती है। कुल मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में इन दिनों सिटी से लेकर ट्रांस हिंडन और देहात के कई थानों में काम पूरी तेजी से चल रहा है। कहा जा रहा है कि 26 जनवरी तक फिर एक के बाद एक कई बड़े खाने आयोजित किया जा सकते हैं। अब देखना होगा कि जब नंबर दो की पोजीशन वाले दोनों अधिकारी एक ही परिसर में बैठेंगे, तो जनता किसके पास ज्यादा जाएगी और कौन जनसुनवाई जनहित में करेगा।

अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर गाजियाबाद महानगर महिला कांग्रेस ने निकाला कैंडल मार्च

गाजियाबाद करंट क्राइम। मंगलवार को महानगर महिला कांग्रेस द्वारा अंकिता भंडारी को न्याय दिलाने की मांग को लेकर एक शांतिपूर्ण कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। इस कैंडल मार्च का नेतृत्व महानगर महिला कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट खुशनुमा ने किया। कार्यक्रम में महिला कांग्रेस की पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।

यह कैंडल मार्च अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा के आह्वान तथा प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष भारती त्यागी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। हालांकि राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा इस अवसर पर व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं रहीं, लेकिन उन्होंने यह स्पष्ट संदेश दिया कि महिला कांग्रेस तब तक अंकिता भंडारी के लिए संघर्ष करती रहेगी, जब तक उसे पूर्ण और निष्पक्ष न्याय नहीं मिल जाता।

कैंडल मार्च के दौरान महानगर महिला कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट खुशनुमा ने कहा कि महिला कांग्रेस किसी भी बेटी के साथ हुए अन्याय को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जब तक अंकिता भंडारी को न्याय नहीं मिलेगा, महिला कांग्रेस सड़क से लेकर न्यायालय तक अपनी लड़ाई जारी रखेगी।

गाजियाबाद में 9 जनवरी को लगेगा व्यापारियों का महाकुंभ

प्रांतीय कार्यकारिणी सभा में बनेगी भविष्य की रणनीति

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उडुपी रेस्टोरेंट में जिला एवं महानगर उद्योग व्यापार मंडल द्वारा एक प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान पदाधिकारियों ने बताया कि आगामी 9 जनवरी 2026 को गाजियाबाद में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल की 'प्रांतीय कार्यकारिणी सभा' का भव्य आयोजन होने जा रहा है।

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष रामकिशोर अग्रवाल, वरिष्ठ महामंत्री पंकज गर्ग और जिला महामंत्री राजदेव त्यागी ने कहा कि यह गाजियाबाद के लिए हर्ष का विषय है कि इस महत्वपूर्ण बैठक की मेजबानी का अवसर मिला है। इस सभा की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष और पूर्व राज्यसभा सांसद श्री बनवारी लाल कंछल जी करेंगे। बैठक में उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के अध्यक्ष और महामंत्री प्रतिभाग करेंगे।

महानगर अध्यक्ष गोपीचंद प्रधान और महामंत्री अशोक चावला ने बताया कि इस सभा का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों की ज्वलंत समस्याओं का समाधान खोजना है। बैठक में मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा कर प्रस्ताव पास किए जाएंगेः

जीएसटी विसंगतियांः जीएसटी से संबंधित जटिलताओं पर रणनीति तैयार करना।

व्यापारी सुरक्षाः पंजीकृत व्यापारियों के लिए 'दुर्घटना बीमा' के लाभों पर चर्चा।

सर्वे और छापेमारीः व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर होने वाले सर्वे व छापों के विरुद्ध एकजुटता।

सराय एक्टः पुराने कानूनों और वर्तमान व्यापारिक चुनौतियों पर विचार-विमर्श।

प्रेस वार्ता में व्यापार मंडल के एकजुट स्वरूप की झलक देखने को मिली। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष सुनील गोयल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजमोहन सिंघल, जेपी कश्यप, संदीप गर्ग, पवन शर्मा, नरेश अग्रवाल, संजीव मित्तल, अनुराग गर्ग, विकास अग्रवाल, राकेश बवेजा, सुधीर गोयल (मोनू), राजकुमार गर्ग, अजय बंसल, राकेश गुप्ता, राकेश कौशिक, नितिन वर्मा, युवा व्यापार मंडल के चेयरमैन मनोज गर्ग, अध्यक्ष विपिन गोयल, महामंत्री पंकज गुप्ता समेत भारी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

अंत में महानगर महामंत्री अशोक चावला ने सभी का आभार व्यक्त किया और आगामी 9 जनवरी के कार्यक्रम को सफल बनाने का संकल्प दोहराया।

पोस्ट ऑफ द डे

प्रस्तुति
करंट क्राइम

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। यह पति-पत्नी का रिश्ता है जो प्रेम की डोर से बंध कर चलता है और 7 जन्मों का बंधन माना जाता है। जब प्रेम है तो फिर इसमें उम्र का कोई बंधन नहीं होता। जीवनसाथी का जन्मदिन है तो जीवनसाथी की ही बधाई एक सुखद अहसास कराती है। स्नेहलता सिंह ने अपने पति के जन्मदिन पर उन्हें इस अंदाज में बधाई और शुभकामनाएं दी। पति के जन्मदिन की खुशी को पत्नी ने फेसबुक पर साझा किया। जन्मदिन की खुशी को साझा करती यह पोस्ट बनी करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

‘डेनमार्क को वेनेजुएला ना समझें डोनाल्ड ट्रंप’

मेटे फ्रेडरिक्सन की अमेरिकी राष्ट्रपति को दो टूक

कोपेनहेगन। ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टिप्पणी पर डेनमार्क की पीएम मेटे फ्रेडरिक्सन कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जे का मतलब नाटो मिलिट्री गठबंधन का खत्म होना होगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ग्रीनलैंड पर कब्जे को लेकर दिए गए बयान पर डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने सोमवार को करारा हमला बोला और उन्होंने कहा कि डेनमार्क को अमेरिका वेनेजुएला समझने की कोशिश न करे। हम पर हमला करना नाटो मिलिट्री गठबंधन का अंत होगा।

वेनेजुएला में मिलिट्री ऑपरेशन के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को मीडिया से बात करते हुए कहा था कि अब अमेरिका ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की तैयारी में है। उनके इस बयान पर डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने सोमवार को तीखा पलटवार किया और कहा कि ग्रीनलैंड पर अमेरिका का कब्जा

नाटो मिलिट्री गठबंधन का अंत होगा। बता दें कि काराकास में अमेरिकी सेना द्वारा नेता निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी को पकड़ने के लिए आधी रात को किए गए ऑपरेशन से पूरी दुनिया हैरान है। अमेरिका के इस कदम से डेनमार्क और ग्रीनलैंड की चिंता बढ़ गई, जो डेनिश साम्राज्य का एक अर्ध-स्वायत्त क्षेत्र है और इस तरह नाटो का हिस्सा है। फ्रेडरिकसेन ने सोमवार को डेनिश ब्रॉडकास्टर से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति की ग्रीनलैंड को लेकर दिए गए बयान की कड़ी आलोचना की और विनाशकारी परिणामों की चेतावनी दी। उन्होंने कहा, अगर अमेरिका किसी दूसरे नाटो देश पर मिलिट्री हमला करने का फैसला करता है, तो सब कुछ रुक जाएगा। यानी, हमारे नाटो और इस तरह दूसरी दुनिया की जंग खत्म होने के बाद से मिली सुरक्षा भी खत्म हो जाएगी।

20 दिन की टाइमलाइन से डर और बढ़ गया है

ट्रंप ने अपने राष्ट्रपति बनने के दौरान और अपने दूसरे कार्यकाल के शुरूआती महीनों में बार-बार ग्रीनलैंड पर अमेरिका के अधिकार की बात कही, और उन्होंने द्वीप पर कंट्रोल करने के लिए मिलिट्री फोर्स का इस्तेमाल करने से भी इनकार नहीं किया है। रविवार को उनकी टिप्पणियों, जिसमें उन्होंने रिपोर्टर्स से कहा, ‘आइए 20 दिनों में ग्रीनलैंड के बारे में बात करते हैं’ ने इस डर को और बढ़ा दिया कि अमेरिका भविष्य में ग्रीनलैंड में दखल देने की योजना बना रहा है। फ्रेडरिकसेन ने यह भी कहा कि जब ट्रंप कहते हैं कि वह ग्रीनलैंड चाहते हैं, तो उन्हें गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, हम ऐसी स्थिति स्वीकार नहीं करेंगे जहां हमें और ग्रीनलैंड को इस तरह से धमकी दी जाए।

ग्रीनलैंड की तुलना वेनेजुएला से नहीं की जा सकती: नीलसन

नीलसन ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ग्रीनलैंड की तुलना वेनेजुएला से नहीं की जा सकती है। उन्होंने अपने समर्थकों से शांत और एकजुट रहने के लिए कहा। उन्होंने कहा, 'हम ऐसी स्थिति में नहीं हैं जहां हमें लगता है कि रातों-रात देश पर कब्जा हो सकता है और इसीलिए हम इस बात पर जोर दे रहे हैं कि हम अच्छा सहयोग चाहते हैं।' वहीं, डेनिश ब्रॉडकास्टर के राजनीतिक पत्रकार आस्क रोस्टुप ने सोमवार को स्टेशन के लाइव ब्लॉग पर लिखा कि मेटे ने पहले ग्रीनलैंड पर अमेरिकी कब्जे के विचार को साफ तौर पर खारिज कर दिया होता। लेकिन अब बयानबाजी इतनी बढ़ गई है कि उन्हें इस संभावना को मानना पड़ रहा है।

उत्तर-पश्चिमी ग्रीनलैंड में अमेरिकी स्पेस बेस

अमेरिकी रक्षा विभाग उत्तर-पश्चिमी ग्रीनलैंड में दूरदराज के पिटुफिक स्पेस बेस का संचालन करता है। इसे डेनमार्क और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच 1951 के रक्षा समझौते के बाद बनाया गया था। यह अमेरिका और नाटो के लिए मिसाइल चेतावनी, मिसाइल रक्षा और अंतरिक्ष निगरानी अभियानों का समर्थन करता है। डेनमार्क की मुख्य भूमि पर, अमेरिका और डेनमार्क के बीच साझेदारी लंबे समय से चली आ रही है। डेनिश लोग अमेरिकी एफ-35 फाइटर जेट खरीदते हैं और पिछले साल ही, डेनमार्क की संसद ने डेनिश धरती पर अमेरिकी सैन्य अड्डों की अनुमति देने वाले एक बिल को मंजूरी दी थी। आलोचकों का कहना है कि इस वोट ने डेनिश संप्रभुता अमेरिका को सौंप दी। यह कानून 2023 में बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन के साथ किए गए पिछले सैन्य समझौते का विस्तार करता है, जिसमें अमेरिकी सैनिकों को इस स्कैंडिनेवियाई देश में डेनिश एयर बेस तक व्यापक पहुंच थी।

ग्रीनलैंड-वेनेजुएला से जुड़ी नीतियां चिंताजनक : बोल्टन

नई दिल्ली। अमेरिकी पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई से लेकर ग्रीनलैंड पर ट्रंप के हालिया बयान पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ग्रीनलैंड पर सैन्य कार्रवाई को लेकर कहा कि यह विनाशकारी गलती होगी।

अमेरिका की वेनेजुएला पर सैन्य कार्रवाई ने पूरी दुनिया सकते में है। निकोलस मादुरो को पकड़कर न्यूयॉर्क ले जाना और उनको न्यायिक दायर में लाने पर विश्व के अलग-अलग देशों की कड़ी प्रतिक्रिया सामने आई है। इसी के साथ ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर की गई टिप्पणी से नया विवाद खड़ा हो गया है। इधर, अब अमेरिका और कोलंबिया के बीच तनाव बढ़ गया है। ऐसे में मौजूदा घटनाक्रम के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन की कई मुद्दों पर प्रतिक्रिया सामने आई है।

पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन ने कहा कि मुझे लगता है कि मादुरो के मामले में

उम्मीद और वास्तविकता यह होनी चाहिए कि हम रूस, चीन और ईरान जैसे बाहरी देशों द्वारा उत्पन्न खतरों को क्यूबा के साथ तालमेल को समाप्त करने का प्रयास कर रहे हैं, जो एक और खतरा है। जिसे मादुरो शासन ने वेनेजुएला को एक ऑपरेटिंग बेस के तौर पर इस्तेमाल करने की इजाजत दी है। ऐसा इसलिए भी है क्योंकि वेनेजुएला के लोगों को इस सरकार ने बहुत लंबे समय से दबा रखा है। यही संदेश हमें देना चाहिए। स्पष्ट रूप से कहूं तो मुझे नहीं लगता कि ट्रंप यही कह रहे हैं, लेकिन मेरा मानना है कि यही असली वजह है कि मादुरो को हटाना और उम्मीद है कि बाकी सरकार को हटाना भी सही है।

नेपाल के बीरगंज में हिंसा के बाद तनाव, कर्फ्यू के बीच काबू में हालात; भारत में बढ़ाई गई सुरक्षा

काठमांडू। नेपाल के बीरगंज में हिंसा और आगजनी के बाद तनाव व्याप्त है। स्थानीय प्रशासन ने कर्फ्यू लगाने का एलान किया है। सुरक्षाबलों की चौकसी के बीच तनावपूर्ण शांति बनी हुई है। भारत हालात पर करीबी नजर बनाए हुए है। सीमावर्ती इलाकों में सुरक्षाबल अलर्ट मोड पर हैं।

नेपाल के बीरगंज में हिंसा के बाद तनाव बना हुआ है। सांप्रदायिक सोशल मीडिया वीडियो से उपजा पूरा विवाद धार्मिक स्थल से जुड़ा है। चिंताजनक स्थिति को देखते हुए स्थानीय पुलिस-प्रशासन ने एहतियाती कर्फ्यू लगाने का एलान किया।

पड़ोसी देश में तनाव और उथल-पुथल के बीच भारत में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। स्थानीय मीडिया में आई खबरों के मुताबिक नेपाल की सरकार ने कहा है कि बहुत जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलें।

जिला प्रशासन कार्यालय, परसा

ने तनावपूर्ण स्थिति के बीच कर्फ्यू आज (6 जनवरी) शाम 6 बजे तक बढ़ा दिया है। इससे पहले प्रशासन ने कर्फ्यू का वक्त दोपहर एक बजे तक बढ़ाया था।

गौरतलब है कि बीरगंज की सीमा भारत में बिहार से लगती है। यहां रविवार से ही लगातार तनाव बढ़ रहा है। टिकटॉक पर धार्मिक रूप से विवादित टिप्पणियों को लेकर दो समूहों के बीच टकराव शुरू हुआ था। इसकी शुरूआत धनुषा में कमला नगरपालिका से हुई। रिपोर्ट्स में धार्मिक किताबों को जलाने की बातें भी सामने आई।

सुरक्षाकर्मियों को देखते ही गोली मारने का अधिकार

हालात की समीक्षा के बाद सरकार और स्थानीय प्रशासन ने बस पार्क, नागवा, इनारवा (पूर्व); सिरसिया नदी (पश्चिम); गंडक चौक (उत्तर) और शंकराचार्य गेट (दक्षिण) को संवेदनशील इलाके के रूप में चिह्नित किया है।

हादी की हत्या पर बांग्लादेश पुलिस का दावा राजनीतिक नाराजगी ने हत्या की साजिश का रूप लिया

ढाका। बांग्लादेश की राजनीति में हलचल मचाने वाले छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। बांग्लादेश पुलिस ने बता दिया कि हादी की हत्या क्यों की गई। पुलिस ने इस मामले में 17 लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर दी है। यह बयान ऐसे समय आया है, जब ढाका में लगातार विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं और हादी को न्याय दिलाने की मांग तेज हो गई है।

ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस की डिटेक्टिव ब्रांच के अतिरिक्त आयुक्त एमडी शफीकुल इस्लाम ने बताया कि हादी ने सार्वजनिक सभाओं और सोशल मीडिया के जरिए तत्कालीन अवामी लीग और उसकी छात्र इकाई छात्र लीग की गतिविधियों की खुलकर आलोचना की थी। इन बयानों से छात्र लीग के नेता और कार्यकर्ता नाराज थे। जांच में सामने आया कि इसी राजनीतिक नाराजगी ने हत्या की साजिश का रूप लिया।

हत्या की साजिश और आरोपी

पुलिस के मुताबिक, जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि हादी को राजनीतिक दुश्मनी के चलते गोली मारी गई। कथित शूटर फैसल करीम मसूद का सीधा संबंध छात्र लीग से बताया गया है। एक अन्य आरोपी तैजुल इस्लाम चौधरी बप्पी पर आरोप है कि उसने शूटर और एक अन्य मुख्य आरोपी को फरार होने में मदद की। बप्पी छात्र लीग का स्थानीय अध्यक्ष और अवामी लीग समर्थित वार्ड पार्षद भी रहा है।

आंदोलन से चुनावी मैदान तक

32 वर्षीय शरीफ उस्मान हादी जुलाई-अगस्त 2024 के जनआंदोलन के दौरान राष्ट्रीय स्तर पर चर्चित हुए थे, जिसने शेख हसीना सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया था।

हादी इंकिलाब मंचो के प्रवक्ता थे और 12 फरवरी को होने वाले संसदीय चुनाव के उम्मीदवार भी थे। 12 दिसंबर को ढाका में चुनाव प्रचार के दौरान उन्हें सिर में गोली मारी गई। इलाज के लिए उन्हें सिंगापुर ले जाया गया, जहां 18 दिसंबर को उनकी मौत हो गई।

मामले में कुल कितने गिरफ्तार

अब तक इस मामले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गृह मामलों के सलाहकार जहांगीर आलम चौधरी ने पहले कहा था कि चार्जशीट 7 जनवरी को दाखिल होगी, लेकिन पुलिस ने विरोध प्रदर्शनों के बीच एक दिन पहले ही चार्जशीट दाखिल कर दी।

ढाका में इंकिलाब मंचो के कार्यकर्ता लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं और हादी की हत्या को लोकतंत्र पर हमला बता रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले में कानून के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बांग्लादेश पुलिस ने दावा किया है कि छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या क्यों की गई। पुलिस ने 17 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। जांच में छात्र लीग से जुड़े लोगों की भूमिका सामने आई है। हादी जनआंदोलन से उभरे नेता और चुनाव उम्मीदवार थे।

इंडोनेशिया: सुलावेसी प्रांत में मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़, 16 लोगों की मौत; 140 से अधिक मकान क्षतिग्रस्त

मनाडो (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी प्रांत में मूसलाधार बारिश से आई बाढ़ में 16 लोगों की मौत हो गई और कई गांव जलमग्न हो गए। तेज बहाव से घर बह गए, सैकड़ों लोग बेघर हुए और पुलिस-सेना की मदद से बचाव दल प्रभावित इलाकों में तैनात किए गए।

इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी प्रांत में मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ में 16 लोगों की मौत हो गई।अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहारी ने बताया कि कई दिनों से जारी मानसूनी बारिश के बाद सोमवार सुबह नदियां उफान पर आ गईं।

प्रभावित गांवों में भेजे गए बचाव दल: इसी के बाद कीचड़, पत्थरों और मलबे से भरा तेज बहाव सिआउ तागुलंदांग बियारो जिले में

लोगों को बहा ले गया और कई गांव पानी में डूब गए। पुलिस और सेना की मदद से आपातकालीन बचाव दलों को सिआउ द्वीप के बुरी तरह प्रभावित चार गांवों में भेजा गया।

यह छोटा सा द्वीप सुलावेसी द्वीप के उत्तरी छोर से करीब 130 किलोमीटर दूर है। मुहारी ने बताया कि कई जगह सड़कों के टूटने और संचार व्यवस्था बाधित होने से पहुंचने में मुश्किलें आईं।

सात घर बहे और 140 से ज्यादा मकान क्षतिग्रस्त: उन्होंने कहा कि पहाड़ियों से पानी के तेज बहाव के कारण सात घर पूरी तरह बह गए और 140 से ज्यादा मकान क्षतिग्रस्त हो गए। बाढ़ के चलते 680 से अधिक लोगों को चर्चों और सार्वजनिक इमारतों में बने अस्थायी राहत शिविरों में शरण लेनी पड़ी।

बचावकर्मियों ने बरामद किए 16 शव: मौसम में सुधार और बाढ़ का पानी उतरने के बाद मंगलवार को बचावकर्मियों ने 16 शव बरामद किए। उत्तरी सुलावेसी खोज एवं बचाव कार्यालय के प्रवक्ता नूरियादियन गुमेलेंग ने बताया कि तीन अन्य लापता लोगों की तलाश जारी है, जहां पूरे के पूरे इलाके पानी में डूब गए थे। सिटारो जिले की प्रमुख चिंतिया इंग्रिड कालांगित ने सोमवार से 14 दिनों के लिए आपातकाल घोषित किया है, ताकि राहत सामग्री पहुंचाने, लोगों को सुरक्षित निकालने और बुनियादी ढांचे की मरम्मत का काम तेजी से किया जा सके। इस बाढ़ में 25 लोग घायल भी हुए हैं। कालांगित ने कहा, हमने लोगों से सतर्क रहने की अपील की है, क्योंकि आगे और बारिश होने से फिर बाढ़ या भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है।

उस्मान हादी के समर्थन में निकली रैली, प्रदर्शनकारियों की भारतीयों के वर्क परमिट रद्द करने की मांग

बांग्लादेश। बांग्लादेश के छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्यारों को पकड़ने और सजा दिलाने की मांग को लेकर मंगलवार को उनके समर्थकों ने मार्च निकाला। इंकलाब मंचो के प्रदर्शनकारी बांग्लादेश में काम कर रहे भारतीयों का वर्क परमिट रद्द करने की भी मांग कर रहे हैं।

छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के मामले में न्याय की मांग को लेकर मंगलवार को ढाका में उनकी पार्टी ने एक दिवसीय रैली का आयोजन किया। इस रैली में बांग्लादेश में रहने वाले सभी भारतीयों के वर्क परमिट रद्द करने की भी मांग की।

अखबार ने आयोजकों के हवाले से बताया कि 'न्याय के लिए मार्च' सुबह करीब 11:30 बजे शाहबाग से शुरू हुआ, जिसमें कार्यकर्ता 10 पिकअप वैन में और पैदल चलकर साइंस लैब, मोहम्मदपुर, मीरपुर-10, उत्तरा, बसुंधरा, बड्डा, रामपुरा और

जात्राबारी सहित कई प्रमुख चौराहों से गुजरे और शाम को शाहबाग लौट आए। प्रतिभागियों ने कहा कि विरोध प्रदर्शन का उद्देश्य हादी की हत्या की जांच में ₹प्रगति की कमी₹ की ओर ध्यान आकर्षित करना था, और मांग की कि हत्यारे, योजनाकारों, सहयोगियों और उन्हें शरण देने वालों सहित सभी संबंधित लोगों को 12 फरवरी के संसदीय चुनावों से पहले मुकदमे के लिए लाया जाए।

मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों ने हम हादी के खून को व्यर्थ नहीं जाने देंगे,मेरा भाई कब्र में पड़ा है जबकि हत्यारा आजाद क्यों है? और लाल और हरा झंडा, इंकलाब का झंडा - आप हादी को देख सकते हैं₹ जैसे नारे लगाए। रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रदर्शनकारियों ने यह भी मांग की कि सेना खुफिया महानिदेशालय के भीतर कथित फासीवादी सहयोगियों की पहचान की जाए।

ईरान में आर्थिक विरोध प्रदर्शन में अब तक 35 की मौत

ईरान। ईरान में महंगाई, बेरोजगारी और खराब आर्थिक हालात के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों में हिंसा तेज हो गई है। मानवाधिकार कार्यकताओं के अनुसार, अब तक कम से कम 35 लोगों की मौत हो चुकी है और 1,200 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है।

यह प्रदर्शन एक हफ्ते से ज्यादा समय से जारी हैं। अमेरिका स्थित मानवाधिकार कार्यकर्ता समाचार एजेंसी ने बताया कि मारे गए लोगों में 29 प्रदर्शनकारी, चार बच्चे और दो सुरक्षाकर्मी शामिल हैं। संगठन का कहना है कि उसे ईरान के अंदर मौजूद कार्यकर्ताओं से जानकारी मिलती है और पहले भी उसकी रिपोर्टिंग भरोसेमंद रही है। वहीं, ईरान की अर्ध-सरकारी फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, इन प्रदर्शनों में 250 पुलिसकर्मी और बसीज बल के 45 सदस्य घायल हुए हैं।

ट्रंप हुए वेनेजुएला में व्यस्त

पेरिस में यूक्रेन के सहयोगी देशों की शांति वार्ता अधर में लटकी

पेरिस। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि संभावित यूरोपीय सैन्य तैनाती में अभी भी कई बाधाएं हैं। महत्वपूर्ण विवरण को अभी भी अंतिम रूप नहीं दिया गया है और सेना भेजने के लिए हर कोई तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को सैन्य सहायता देने पर भी कई देशों को संसद की मंजूरी लेनी होगी।

रूस के साथ संभावित युद्धविराम के बाद यूक्रेन की सुरक्षा तय करने में मदद करने वाली महत्वपूर्ण वार्ता के लिए सहयोगी देश मंगलवार को पेरिस में मिल रहे हैं। हालांकि, ट्रंप प्रशासन का ध्यान वेनेजुएला की ओर होने के चलते प्रगति की संभावना अनिश्चित है। अमेरिका के वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को पकड़ने से पहले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कथित 'इच्छुक देशों के गठबंधन' की नई बैठक के बारे में आशा जताई थी। ये देश कई महीनों से इस बात पर विचार कर रहे हैं कि अगर रूस यूक्रेन से लड़ना बंद करने पर सहमत हो जाता है, तो भविष्य में किसी भी रूसी आक्रमण को कैसे रोका जाए।

31 दिसंबर को अपने संबोधन में मैक्रों ने कहा कि सहयोगी देश शिखर सम्मेलन में यूक्रेन की रक्षा करने और न्यायपूर्ण और स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाएंगे। मैक्रों के कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि बैठक में बड़ी संख्या में अधिकारी निजी तौर पर मौजूद होंगे, जिनमें 27 राष्ट्राध्यक्षों और सरकार प्रमुखों सहित 35 प्रतिभागी शामिल हैं।

मादुरों को हटाने से पहले कब-कब अमेरिका ने वेनेजुएला पर तेल भंडार को लेकर दबाव बनाया

न्यूयार्क। यह पहली बार नहीं है जब अमेरिका ने वेनेजुएला में कोई कार्यवाई की है। बल्की यह विवाद दशकों पुराना है। पहले यहां के तेल में अमेरिकी कंपनियों का बहुत दखल था। लेकिन 1976 में राष्ट्रीयकरण के बाद यह दखल कम हुआ। जिसे आज तक अमेरिका वापस पाने की कोशिश कर रहा है।

अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला करने के बाद राष्ट्रपति निकोलस मदुरो को बंधक बना लिया। यह हमला वेनेजुएला की तरफ से अचानक नहीं किया गया है बल्कि, अमेरिका कई समय से अलग अलग तरीके से इसकी तैयारी कर रहा था। हमले के बाद ट्रंप ने कहा कि अब अमेरिका वेनेजुएला को ह्यचलाएगाह्न, इसके साथ उनके तेल को भी संसाधित करेगा।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी कंपनियां वेनेजुएला के खराब हो चुके तेल उद्योग को नया करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश करने को तैयार है। वेनेजुएला के पास 303 अरब बैरल का तेल भंडार है। यह दुनिया का सबसे बड़ा तेल और सऊदी अरब से भी ज्यादा है। यह वैश्विक भंडार का लगभग 20 प्रतिशत है।

वेनेजुएला में ट्रंप प्रशासन की सैन्य कार्रवाई कई मायनों में अभूतपूर्व थी। लेकिन वेनेजुएला के तेल भंडार और पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो शावेज और मदुरो के साथ अमेरिका के जिस तरह के संबंध थे, उसे देखते हुए यह हैरान करने वाला नहीं था ।

अमेरिकी निवेश का बढ़ना और फिर खत्म होना

वेनेजुएला दक्षिण अमेरिका के उत्तरी तट पर स्थित है। यहां की आबादी लगभग 30 अरब है। यह कैलिफोर्निया से लगभग दोगुना है। 20वीं सदी की शुरू में तेल भंडार के कारण यह दक्षिण अमेरिका का सबसे अमीर देश थी।

अमेरिकी कंपनियों सहित विदेशी कंपनियों ने वेनेजुएला के तेल के विकास में भारी निवेश किया। देश की राजनीति में भी उनका बड़ा हाथ था। अमेरिका वेनेजुएला के तेल भंडार को खुद नियंत्रित करना चाहता था। लेकिन मना करने के बावजूद वहां के नेताओं ने मुख्य निर्यात संसाधन को नियंत्रित करना शुरू किया। 1960 में पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (डढएउ)

का गठन हुआ। इसमें वेनेजुएला प्रमुख देश बना और 1976 में अपने अधिकांश तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण कर दिया। इसका अमेरिका की कंपनियों पर बुरा असर पड़ा। इसने ट्रंप प्रशासन के हाल के दावों को हवा दी कि वेनेजुएला ने अमेरिकी तेल ‘चुराया’ है।

इस राष्ट्रीयकरण के बाद वेनेजुएला को आर्थिक तौर पर कोई फायदा नहीं हुआ। तेल उद्योग के कुप्रबंधन के कारण 1988 में कर्ज संकट और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का हस्तक्षेप हुआ। फरवरी 1989 में काराकास में विरोध प्रदर्शन भड़क उठे, और सरकार ने विद्रोह को कुचलने के लिए सेना भेज दी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अनुमानित 300 लोग मारे गए।

इसके बाद वेनेजुएला के लोग दो वर्गों में बंट गया। अमीर लोग अमेरिका के साथ काम करना चाहते थे। वहीं मजदूर वर्ग अमेरिका से आजादी चाहता था। इस बंटवारे ने तब से वेनेजुएला की राजनीति को परिभाषित किया है।

शावेज का सत्ता में आना और गरीबों के लिए काम करना

ह्यूगो शावेज देश के राष्ट्रपति बनने से पहले मिलिट्री ऑफिसर थे। 1980 के दशक में उन्होंने सेना के अंदर समाजवादी गुट बनाया। उन्होंने सरकार के खिलाफ जोशीले भाषण देना शुरू किया। 1989 में सरकार विरोधी दंगो के बाद उन्होंने सरकार गिराने की योजना बनाना शुरू कर दिया। फरवरी 1992 में अमेरिका का समर्थन करने वाले राष्ट्रपति कार्लोस एंड्रेस पेरेज को हटाने की असफल कोशिश की।

अमेरिका पर तख्तापलट भड़काने का आरोप है

अमेरिका शावेज का समर्थक नहीं था। अप्रैल 2002 में हिए तख्तापलट के कारण शावेज को कुछ समय के लिए सत्ता से हटना पड़ा। इसके बाद नए राष्ट्रपति, बिजनेसमैन पेड्रो कारमोना को नियुक्त किया। शावेज को गिरफ्तार कर लिया गया। अमेरिका के बुश प्रशासन ने तुरंत कारमोना को राष्ट्रपति के रूप में मान्यता दे दी।

मादुरो पर पर दबाव बनाने रखा जारी

मादुरो 2000 में सदन के लिए चुने गए और जल्दी ही शावेज के करीबी बन गए। वह 2012 में उपराष्ट्रपति बने और अगले साल शावेज की मौत के बाद, बहुत कम अंतर से अपना पहला चुनाव जीता। लेकिन मादुरो शावेज के जैसे नेता नहीं बन पाए। उन्हें मजदूर वर्ग, सेना या पूरे क्षेत्र में ज्यादा समर्थन नहीं मिला। वेनेजुएला की आर्थिक स्थिति खराब हो गई, और महंगाई आसमान छूने लगी। इसी बीच अमेरिकी सरकारें मादुरो पर दबाव डालती रहीं। ओबामा और ट्रंप के पहले कार्यकाल में वेनेजुएला पर प्रतिबंध लगाए गए। अमेरिका और उसके सहयोगियों ने 2018 के चुनाव में और फिर 2024 में मादुरो की जीत को मानने से इनकार कर दिया। देखते ही देखते वेनेजुएला कई देशों से अलग हो गया। सरकार के पास चीन को तेल बेचने के अलावा कोई रास्ता नहीं था। मादुरो ने ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान तख्तापलट और हत्या की कोशिश का भी आरोप लगया। अब, ट्रंप एक खुले ऑपरेशन में मादुरो को हटाने में समफल हुए हैं। जिसमें इनकार करने की कोई कोशिश नहीं की गई। दावा किया जा रहा है कि जब तक अमेरिका का इस देश में आर्थिक हित है, वेनेजुएला की राजनीति में इसका दखल जारी रहेगा।

अटल जन्म शताब्दी पर साहिबाबाद में सुशासन का संकल्प, नगर निगम का भव्य सम्मेलन

महापौर सुनीता दयाल के नेतृत्व में अटल विचारों को समर्पित आयोजन, हजारों की सहभागिता

गाजियाबाद, करंट क्राइम। परम श्रद्धेय भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर नगर निगम गाजियाबाद परिवार द्वारा सुशासन सम्मेलन का आयोजन साहिबाबाद के शालीमार गार्डन स्थित गायत्री भवन (उत्सव भवन), 80 फुट रोड पर अत्यंत भव्य एवं गरिमामय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुनीता दयाल, महापौर गाजियाबाद ने की तथा मुख्य अतिथि के रूप में कांता कर्दम, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद उपस्थित रहीं। सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि के कर-कमलों द्वारा किया गया। यह कार्यक्रम पूर्व पार्षद सरदार सिंह भाटी, कालीचरण पहलवान एवं संयोजक पार्षद रवि भाटी के अथक प्रयासों से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

'भारत को परमाणु शक्ति और विजय का आत्मविश्वास देने वाले नेता थे अटल': सुनीता दयाल

करंट क्राइम। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ऐसे प्रधानमंत्री रहे जिन्होंने भारत को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाया और कारगिल युद्ध में विजय दिलाकर देश का मान बढ़ाया। उन्होंने कहा कि उनकी दूरदर्शिता, लोकतंत्र के प्रति निष्ठा और जनकल्याण की भावना आज भी प्रेरणास्रोत है। महापौर ने यह भी कहा कि नगर निगम का हर कार्यक्रम शहर और जनता को ध्यान में रखकर किया जाता है। इस सम्मेलन को साहिबाबाद क्षेत्र में आयोजित करने का निर्णय भी इसी सोच का परिणाम रहा, जिसमें सरदार सिंह भाटी, कालीचरण पहलवान एवं रवि भाटी की अहम भूमिका रही।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे : पूर्व निगम उपाध्यक्ष सरदार सिंह भाटी, निगम उपाध्यक्ष प्रवीण चौधरी, पार्षद रवि भाटी, कालीचरण पहलवान, संतोष राणा, किरण देवी, मदनराय, राधेश्याम, राजकुमार भाटी, नरेश भाटी, सुधीर, हिमांशु शर्मा, नितिन कुमार, रेखा गोस्वामी, पूनम, आशीष चौधरी, प्रतिमा शर्मा, नीलम भारद्वाज, धीरज अग्रवाल, पूर्व पार्षद मनोज गोयल, बिजेन्द्र चौहान, अभिनव जैन, राजकुमारी, विजय गौतम, ज्योति चौहान, दीपक ठाकुर, हरीश खर्कवाल, टिंकू, अंकित रावत, अंकित गिरी, अन्य पार्टी पदाधिकारीगण एवं क्षेत्र की हजारों जनता। सम्मेलन में उपस्थित जनसमूह ने अटल बिहारी वाजपेयी जी के विचारों, सुशासन और राष्ट्रसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का प्रण लिया।

'कवि हृदय के नेता थे अटल, शब्दों में बसता था राष्ट्रवाद' : कांता कर्दम

करंट क्राइम। मुख्य अतिथि कांता कर्दम ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी के भाषण आज भी इसलिए प्रासंगिक हैं क्योंकि उनमें भावनाओं की गहराई, राष्ट्रवाद, सरलता और दूरदर्शिता स्पष्ट दिखाई देती है। उनके विचार देश के भविष्य को दिशा देने वाले थे, यही कारण है कि वे एक महान राजनेता के साथ-साथ सच्चे राष्ट्रभक्त भी थे। सुशासन सम्मेलन अटल बिहारी वाजपेयी जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के साथ-साथ प्रशासनिक पारदर्शिता, जवाबदेही और जनकल्याण के संकल्प को मजबूत करने का माध्यम बना। कार्यक्रम संयोजक वार्ड 37 शालीमार गार्डन से युवा पार्षद रवि भाटी के आह्वान पर बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक सम्मेलन में शामिल हुए। सरदार सिंह भाटी एवं कालीचरण पहलवान ने सभी आगंतुकों का धन्यवाद किया।

सीएम युवा से आत्मनिर्भर बन रहा उत्तर प्रदेश नए उद्यमियों को मिल रहा मजबूत सहारा: रामावतार जिंदल

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा नेता रामावतार जिंदल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सीएम युवा योजना की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने वाली नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम है।
रामावतार जिंदल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने नए उद्यमियों के लिए सीएम युवा के नाम से जो योजना शुरू की है, वह युवाओं के सपनों को पंख दे रही है।

योजना के तहत पहले वर्ष में नया उद्यम स्थापित करने के इच्छुक युवाओं को 5 लाख तक का गारंटी मुक्त और ब्याज मुक्त ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे बिना किसी आर्थिक दबाव के युवा अपना कारोबार शुरू कर सकें। उन्होंने बताया कि इस योजना का लाभ अब तक लगभग एक लाख युवा उद्यमी ले चुके हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि सरकार की नीतियां जमीन पर असर दिखा रही हैं। रामावतार जिंदल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच स्पष्ट है—युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना।
भाजपा नेता ने कहा कि सीएम युवा योजना आने वाले समय में उत्तर प्रदेश को उद्यमिता का बड़ा केंद्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और युवाओं को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का अवसर देगी।

नेतृत्व जो इंसानियत से पहचाना जाए

संजीव गुप्ता की संवेदनशील पहल से झलकी समरकूल परिवार की आत्मा

गाजियाबाद, करंट क्राइम। कभी-कभी नेतृत्व निर्णयों से नहीं, दिल से लिए गए कदमों से पहचाना जाता है। समरकूल गोल्डन परिवार के लिए ऐसा ही एक पल तब आया, जब बनारस जोन के सेल्स हेड आर. के. धवन की तबीयत समरकूल मुख्यालय से बनारस जाते समय अचानक बिगड़ गई। सूचना मिलते ही समरकूल के चेयरमैन संजीव कुमार गुप्ता ने बिना किसी औपचारिकता के, बिना समय गंवाए—सबसे पहले इंसानियत को प्राथमिकता दी। तत्काल उपचार की व्यवस्था कराई गई, परिवार को सूचित कर आश्वस्त किया गया और हर जरूरी कदम खुद संज्ञान में लिया गया। यह केवल एक प्रशासनिक प्रतिक्रिया नहीं थी, बल्कि अपने परिवार के सदस्य के लिए एक अभिभावक का भरोसा था।
धवन जी की सेहत को लेकर चिंता यहीं नहीं रुकी। संजीव गुप्ता के निर्देश पर नरेश बत्रा, इंडिया सेल्स हेड, स्वयं बनारस पहुँचे। अस्पताल प्रबंधन से बातचीत कर स्पष्ट कहा गया कि उपचार में किसी भी स्तर पर कोई लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। यह भरोसा भी दिया गया कि समरकूल परिवार अपने हर सदस्य के साथ 24 घंटे, हर परिस्थिति में खड़ा है। आज यह बताते हुए संतोष और राहत दोनों है कि आर. के. धवन जी अब पूरी तरह सामान्य हैं, उनका स्वास्थ्य लगभग पूर्णतः ठीक है और वे शीघ्र ही उसी उत्साह और जिम्मेदारी के साथ अपनी भूमिका निभाने लौटेंगे। यह घटना समरकूल को सिर्फ एक कंपनी नहीं, बल्कि एक परिवार बनाती है—जहाँ चेयरमैन का पहला धर्म मुनाफा नहीं, मानवता है; और जहाँ नेतृत्व आदेशों से नहीं, संवेदना से चलता है। वैसे भी दोस्तों साथियों की चिंता करने वाले संजीव गुप्ता को यूँ ही नाइस मेन की संज्ञा नहीं मिली है। वह अपने साथियों के साथ एक अभिभावक के रूप में हमेशा खड़े रहते हैं।

दोस्तों साथियों की चिंता करने वाले संजीव गुप्ता को यूं ही नाइसमैन की संज्ञा नहीं मिली है। वह अपने साथियों के साथ एक अभिभावक के रूप में हमेशा खड़े रहते हैं।

गाजियाबाद में मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन जारी, दावे-आपत्ति 6 फरवरी तक

गाजियाबाद, करंट क्राइम। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन मंगलवार को कर दिया गया। इस अवसर पर जनपद स्तर पर मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय व राज्यीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए नियुक्त बी.एल.ओ. (बूथ लेवल ऑफिसर) की सूची भी उपलब्ध कराई गई।

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने बताया कि यह मतदाता सूची आम जनता के अवलोकन के लिए Ghaziabad.nic.in वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। इसके अलावा सूची निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय, जिला निर्वाचन कार्यालय और सभी मतदान केंद्रों पर भी उपलब्ध है।

उन्होंने जानकारी दी कि जिन नागरिकों के नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हैं, वे 06 जनवरी से 06 फरवरी 2026 तक फार्म-6 भरकर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। यह फार्म संबंधित बी.एल.ओ. को दिया जा सकता है या फिर voters.eci.gov.in वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन भी किया जा सकता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे अपने बी.एल.ए. को सक्रिय करें और अधिक से अधिक पात्र मतदाताओं का पंजीकरण सुनिश्चित कराएं।

फार्म कहां और कैसे मिलेंगे?

- मतदान केंद्रों पर बी.एल.ओ. से
- तहसील कार्यालय व जिला निर्वाचन कार्यालय से
- **ऑनलाइन:** ECINET मोबाइल ऐप और voters.eci.gov.in

(फार्म-6, 7 व 8) बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी/एडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट, जिला सूचना अधिकारी योगेन्द्र प्राप्त सिंह सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुरादनगर कृषि विज्ञान केंद्र में कृषि जागरूकता कार्यक्रम

मौसम आधारित खेती पर दिया गया जोर

मुरादनगर, करंट क्राइम। मुरादनगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र परिसर में मृदा विज्ञान विभाग, सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना (पृथ्वी मंत्रालय, भारत सरकार) के अंतर्गत एक कृषि जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. पी.के. सिंह, निदेशक प्रसार ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि बदलते जलवायु परिदृश्य में मौसम पूवार्नुमान आधारित खेती को अपनाना समय की आवश्यकता है। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के अनुरूप कृषि पद्धतियों को अपनाने पर विशेष बल दिया।

विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष एवं सहकारिता प्रकोष्ठ चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी ने मौसम पूवार्नुमान परियोजना की सराहना करते हुए किसानों से अपील की कि वे मौसम की जानकारी के अनुसार कृषि कार्यों की योजना बनाएं, जिससे उत्पादन और आय दोनों में वृद्धि हो सके। नोडल अधिकारी डॉ. यू.पी. शाही ने मौसम पूवार्नुमान परियोजना की विस्तृत जानकारी दी और जलवायु परिवर्तन के कारण कीट व रोगों की निगरानी कर समय पर सूचना देने का आग्रह किया, ताकि शोध एवं अनुसंधान कार्य को मजबूती मिल सके। प्रोफेसर पशु विज्ञान डॉ. डी.के. सिंह ने प्रतिकूल मौसम परिस्थितियों में पशुओं की देखभाल एवं सुरक्षा के उपाय बताए। केंद्र प्रभारी डॉ. प्रमोद कुमार ने जलवायु अनुकूल फसली किस्मों एवं आधुनिक तकनीकों की जानकारी साझा की। मृदा वैज्ञानिक डॉ. आकांक्षा सिंह ने मृदा स्वास्थ्य कार्ड तथा मौसम पूवार्नुमान ऐप के उपयोग पर प्रकाश डाला। डॉ. सरिता जोशी ने मौसम अनुकूल किचन गार्डन पर जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. चंद्रपाल गुप्ता ने किया। कार्यक्रम के अंत में स्नातक कृषि छात्रों को रावे प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

इस अवसर पर राहुल चौधरी, अवनीश त्यागी, जयवीर यादव, सुनील चौहान, प्रदीप यादव सहित कुल 78 कृषकों एवं छात्रों की सहभागिता रही।

वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद शर्मा का निधन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। मुरादनगर के वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद शर्मा का मंगलवार को निधन हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही पत्रकार जगत में शोक की लहर व्याप्त हो गई। प्रमोश शर्मा लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय थे। वह दैनिक करंट क्राइम से भी लंबे समय तक जुड़े रहे। दैनिक करंट क्राइम के वह ब्यूरो चीफ के पद पर कार्य कर चुके थे। दैनिक करंट क्राइम परिवार वरिष्ठ पत्रकार प्रमोद शर्मा के निधन पर शोक व्यक्त करता है और ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान प्रदान करें।

एकलव्य के निशानेबाजों ने नेशनल शूटिंग चैम्पियनशिप में किया गाजियाबाद का नाम रौशन

पवन ने जीते 2 मेडल, 7 खिलाड़ियों ने इंडिया शूटिंग टीम ट्रायल के लिए किया क्वालीफाई

गाजियाबाद, करंट क्राइम : एकलव्य शूटिंग एकेडमी भागीरथ पब्लिक स्कूल के होनहार निशानेबाजो ने 11 दिसंबर 2025 से 05 जनवरी 2026 तक दिल्ली स्थित डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज मे आयोजित हुई 68वीं नैशनल शूटिंग चैंपियनशिप में प्रतिभाग किया। एकलव्य शूटिंग एकेडमी भागीरथ पब्लिक स्कूल के होनहार निशानेबाज पवन यादव ने पॉइंट 32 बोर सेंटर फायर पिस्टल 25 मीटर आईएसएसएफ सीनियर पुरुष वर्ग में 576/600 स्कोर बनाकर सिल्वर मेडल जीता है। इसके साथ ही पवन यादव, अनमोल अरोरा, आशीष कुमार डोडवाल ने पॉइंट 32 बोर सेंटर फायर पिस्टल 25 मीटर आईएसएसएफ सीनियर टीम पुरुष वर्ग में 1712/1800 का स्कोर बनाकर गोल्ड मेडल जीता।

वाजिद ने 502/ 600 का स्कोर बनाकर पॉइंट 22 बोर फ्री पिस्टल 50 मीटर जूनियर मैन आईएएसएफ वर्ग में नेशनल रेनाउड स्कोर हासिल किया और 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर मेन वर्ग मे 561/600 स्कोर हासिल कर इंडिया शूटिंग टीम ट्रायल के लिए क्वालीफाई किया। रणवीर सिंह ने भी 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर मेन और यूथ मेन वर्ग मे 566/600 स्कोर हासिल कर इंडिया शूटिंग टीम ट्रायल के लिए क्वालीफाई किया। 10 मीटर एयर पिस्टल आईएसएसएफ सीनियर पुरुष वर्ग में सौरभ शर्मा ने 550/600 स्कोर बनाकर इडिया टीम के ट्रायल के लिए क्वालीफाई किया।

इशिता मलिक ने 10 मीटर एयर पिस्टल सीनियर वूमेन वर्ग और पॉइंट 22 बोर स्पोर्ट्स पिस्टल सिनियर वूमेन वर्ग और पॉइंट 22 बोर स्टैंडर्ड पिस्टल सिनियर वूमेन वर्ग में इडिया टीम के ट्रायल के लिए क्वालीफाई किया।

रनवीर चौधरी ने 10 मीटर एयर पिस्टल जूनियर और यूथ वर्ग में 566/600 स्कोर करते हुई इंडिया टीम के ट्रायल के लिए क्वालीफाई किया है। निशानेबाजी कोच रहीस मलिक ने बताया एकलव्य शूटिंग एकेडमी के 07 खिलाड़ियों ने नैशनल शूटिंग चैम्पियनशिप मे प्रतिभाग किया था। जिसमें पवन यादव ने दो मैडल जीते। इसके अलावा सभी सात खिलाड़ियों ने इडिया टीम शूटिंग ट्रायल के लिए क्वालीफाई किया है।

एकेडमी पहुंचने पर विजेता खिलाड़ियों का एकेडमी के साथी खिलाड़ियों ने जीत की खुशी में मिठाई खिलाकर और फूल मालाओं से स्वागत किया। इन सभी खिलाड़ियों ने निशानेबाजी कोच रहीस मलिक का आभार प्रकट किया। भागीरथ पब्लिक स्कूल के मैनेजर अनादि सुकुल और भागीरथ सेवा संस्थान के डायरेक्टर अमिताभ सुकुल ने विजेता खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

जब चोर और पुलिस का हो गया आमना-सामना

गश्त पर मौजूद पुलिसकर्मियों की चौकसी से बची लाखों की चोरी

गाजियाबाद, करंट क्राइम : सर्दी का मौसम है, ऐसे में पुलिस के अधिकारियों द्वारा सिटी जोन में रात के वक्त अधिक सतर्कता बरतने के साथ ही अधिक चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए थे। इसका फायदा देखने को मिला है जब चोरों और पुलिस का आमना-सामना हो गया। मामला थाना सिहानी गेट क्षेत्र के गांधीनगर इलाके में एक मोबाइल शोरूम का है। जहां तीन लिटिल चोरों ने एक मोबाइल स्टोर को निशाना बनाने का प्रयास किया। ताले को आरी से काटने से लेकर गैस कटर से तोड़ने का प्लान था। बताया जा रहा है कि तीनों लिटिल चोर पब्जी खेलने के शौकीन थे और उसमें पैसा लगा रहे थे, हारने की वजह से चोरी का प्लान बनाया लेकिन पुलिस की चौकसी के वजह से वह असफल रहे और पुलिस से आमना सामना हो गया।

फिलहाल पुलिस ने तीनों लिटिल चोर से पूछताछ शुरू कर दी है। इस मामले का पुलिस के पास सीसीटीवी भी है। बताया जा रहा है कि मोबाइल शॉप में लाखों रुपए के महंगे मोबाइल थे, जो इलाके की लैपर्ड और पुलिस टीम की रात में गश्त व्यवस्था की वजह से बच गये।

सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है पुलिस

करंट क्राइम : पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में थाना सिहानी गेट पुलिस सीसीटीवी की जांच कर रही है। साथ ही दबोचे गए लिटिल चोरों से भी पूछताछ की जा रही है। बताया जा रहा है कि सभी किसी स्कूल के छात्र हैं लेकिन पब्जी में पैसे हारने की वजह से चोरी का प्लान बनाया गया था। इस मामले में पुलिस जल्द इन पर एक्शन भी ले सकती है। हालांकि सूत्रों के अनुसार इस मोबाइल शॉप पर पहले भी चोरी का प्रयास हुआ था और उस बार भी इलाके की लैपर्ड के एक्टिव रहने की वजह से चोरी की बड़ी वारदात होने से बचा ली गई थी।

पप्पू पहलवान के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मरघट वाले बाबा का लिया आशीर्वाद

कार्यकर्ताओं ने संगठन की एकजुटता का दिया संदेश

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। महामंत्री पप्पू पहलवान के नेतृत्व में बड़ी संख्या में श्रद्धालु कार्यकताओं ने 'मरघट वाले बाबा' के दर्शन किए और हनुमान जी के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में उत्साह और भक्ति का विशेष वातावरण देखने को मिला। पप्पू पहलवान के साथ मौजूद कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने विधिवत पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। दर्शन के उपरांत सभी ने गुरु पंडित वैभव शर्मा का भी आशीर्वाद लिया।

वरिष्ठ पदाधिकारियों की रही मौजूदगी: कार्यक्रम में युवा मोर्चा महानगर अध्यक्ष सचिन डेढ़ा विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके साथ ही विभिन्न वार्डों के पार्षदगण, पूर्व मंडल अध्यक्ष, पूर्व बूथ अध्यक्ष और व्यापार मंडल के अध्यक्षों सहित संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

एकजुटता का संकल्प : महानगर महामंत्री पप्पू पहलवान ने इस अवसर पर कहा कि बजरंगबली की कृपा से संगठन में नई ऊर्जा का संचार होगा। कार्यक्रम में मौजूद कार्यकताओं की भारी संख्या ने संगठन की एकजुटता का प्रभावी संदेश दिया। दर्शन के दौरान 'जय श्री राम' के उद्घोष से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा।